



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 9, 1980/श्रावण 18, 1902

No. 32]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1980/SRAVANA 18, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

विधि साहित्य प्रकाशन

मुद्रि-पत्र

नई दिल्ली, 27 जून, 1980

सा० का० नि० 825—तारीख 3 मार्च, 1979 के भारत सरकार के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उप खण्ड (i) के पृष्ठ 565-566 पर प्रकाशित भारत सरकार के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय के विधायी विभाग के विधि साहित्य प्रकाशन की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 326, तारीख 28 नवम्बर, 1979 में पृष्ठ 566 पर नवी पक्ति में "1978" शब्द को स्थान पर "1979" पढ़ें।

[सं० ए० 12018/2/74-जर्नल (प्रशा०)]

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(Legislative Department)

VIDHI SAHITYA PRAKASHAN
CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th June, 1980

G.S.R. 825.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Legislative Department, Vidhi Sahitya Prakashan, No. G.S.R. 326, dated the 28th November, 1978 published in the Gazette of

495 GI/80—1

(1791)

India, Part II—Section 3—Sub-section (i), dated the 3rd March, 1979 at pages 565-566, at page 566, line 9, for "1978" read "1979".

[No. F. A. 12018/2/74-Journal(Adm.)]

मुद्रि-पत्र

नई दिल्ली, 27 जून, 1980

सा० का० नि० 826.—तारीख 24 मार्च, 1979 के भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3 उप खण्ड (i) के पृष्ठ 817-818 पर प्रकाशित भारत सरकार के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय के विधायी विभाग के विधि साहित्य प्रकाशन की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 431, तारीख 5 मार्च, 1979 में, पृष्ठ 817 पर, आठवीं पक्ति में "संशोधन" शब्द के स्थान पर "द्वितीय संशोधन" पढ़ें।

[सं० ए०-12018/2/77-सी० एम० पी० (प्रशा०)]

एम० पी० सिंह, सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th June, 1980

G.S.R. 826.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Legislative Department, Vidhi Sahitya Prakashan No. G.S.R. 431 dated the 5th March, 1979 published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (i), dated the 24th March, 1979, at pages 817-818, at page 817, in line 8, for "(Amendment)" read "(Second Amendment)".

[No. A. 12018/2/77-VSP(Adm.)]

M. P. SINGH, Under Secy.

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1980

सांकांनि० 827.—केन्द्रीय सरकार, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के आदेश 27 के नियम 8-ख के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) की अधिसूचना सं० सांकांनि० 1412, तारीख 25 नवम्बर, 1960 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, महाराष्ट्र से संबंधित मद सं० 7 में, उच्च न्यायालय (अपील पक्ष) से संबंधित उपमद (क) के सामने, विद्यमान प्रविष्टि (iii) (क) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“(iii) (क) श्री एस० वी० नाटु,

केन्द्रीय सरकार का स्थायी काउन्सेल,

मुम्बई उच्च न्यायालय, नागपुर न्यायपीठ,

नागपुर”।

[सं० फा० 36(15)/79-न्या०]

वी० एस० सेखो, समुक्त सचिव और विधि सलाहकार

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 21st July, 1980

G.S.R. 827.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of rules 8B of order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Law (Department of Legal Affairs) No. GSR, 1412, dated the 25th November, 1960, namely :—

In the Schedule to the said notification, in item 7 relating to Maharashtra, against sub-item (a) relating to the High Court (Appellate side) for the existing entry (iii)(a) in col. (2) the following entry shall be substituted, namely :—

“(iii)(a) Shri S. V. Natu,

Central Government Standing Counsel,

High Court of Bombay, Nagpur Bench, Nagpur.

[No. F. 36(15)/79-Judl.]

B. S. SEKHON, Jt. Secy. and Legal Adviser.

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1980

सांकांनि० 828.—केन्द्रीय सरकार, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के आदेश 27 के नियम 8-ख के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व विधि मंत्रालय की अधिसूचना सं० सांकांनि० 1412, तारीख 25 नवम्बर, 1960 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, गुजरात से संबंधित मद 4 में, उच्च न्यायालय से संबंधित उपमद (क) में, स्लम 2 में, विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात्—

“(i) श्री हारू भाई मेहता,

केन्द्रीय सरकार का ज्येष्ठ स्थायी काउन्सेल,

(ii) कुमारी वी० पी० शाह,

केन्द्रीय सरकार का अपर स्थायी काउन्सेल,

(iii) श्री एम० डी० पण्ड्या,

केन्द्रीय सरकार का अपर स्थायी काउन्सेल,

(iv) श्री ए० पी० रवानी,

केन्द्रीय सरकार का अपर स्थायी काउन्सेल।”

[सं० फा० 36(1)/80-न्या०]

के० सी० डी० गंगवानी, अपर विधि सलाहकार

New Delhi, the 21st July, 1980

G.S.R. 828.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of rule 8B of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the late Ministry of Law No. G.S.R. 1412 dated the 25th November, 1960, namely :—

“(i) Shri Haroobhai Mehta,

Senior Central Government Standing Counsel.

(ii) Miss V. P. Shah,

Additional Central Government Standing Counsel.

(iii) Shri M. D. Pandya,

Additional Central Government Standing Council.

(iv) Shri A. P. Ravani,

Additional Central Government Standing Council.”

[No. F. 36(1)/80-Judl.]

K. C. D. GANGWANI, Additional Legal Adviser

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

सांकांनि० 829.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सांकांनि० 443(इ) तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सांकांनि० 3216 तारीख 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में प्रांशिक उपादान करने हुए, कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निवेदन देता है कि मैमर्स वार वान्ट लिमिटेड यू० के० (जिसे इसमें इसके पश्चात् “कम्पनी” कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उप धारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाये 15 अप्रैल, 1972 से 30 जून, 1973 तक की अवधि के लिये लागू नहीं होगी। कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,

[सं० 14/7/79-सी० एल० 6]

बी० प्रसाद, अपर सचिव

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 25th July, 1980

G.S.R. 829.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in the case of “M/s. War on Want Limited, U.K.” (hereinafter referred to as the company) being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 shall not apply in respect of the period from 15th April, 1972 to 30th June, 1973.

By Order of the Company Law Board

[No. 14/7/79-CL.VI]

B. PRASAD, Under Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

सा० का० वि० 830.—राष्ट्रपति, मन्त्रिपरिषद् के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उच्च श्रेणी लिपिक पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (उच्च श्रेणी लिपिक) भर्ती नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान —उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो हमने उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि —उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो अक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं . यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है :

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रुत है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति —जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उनके लिए आ कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती है।

6. व्यावृत्ति —इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतन	चयन पद अथवा अचयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन नियम) 1972 के नियम 30 के अधीन अनुश्रुत है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	
1	2	3	4	5	6	7	8
उच्च श्रेणी लिपिक	477	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" (लिपिक-वर्गीय)	330-10-380- द०रो०-12-500- द०रो०-15-560 रूप में	अचयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
<hr/>							
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वृत्ति में लागू होगी या नहीं।	परिक्षा की व्यवस्था की गई है।	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती की जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वृत्ति में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी परबना	भर्ती करने में किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं		
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं होता	दो वर्ष	70 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, 25 प्रतिशत विभागीय परीक्षा द्वारा जिसके तहत हो सकते पर प्रोन्नति द्वारा। 5 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा जिसके तहत हो सकते पर विभा-	प्रोन्नति द्वारा—ऐसे निम्न श्रेणी लिपिकों में से जिन्होंने बल में अपनी श्रेणी में नियमित आधार पर कम से कम 8 वर्ष सेवा की है और जिन्हें इयुटी बटालियन और ग्रूप केन्द्र या	विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्नलिखित होंगे :— अध्यक्ष—उपनिदेशक या उपमहानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल	लागू नहीं होता		

9	10	11	12	13	14
		गीय परीक्षा द्वारा और दोनों के न हो सकने पर प्रोन्नति द्वारा ।	उसी स्तर के स्थिर प्रशासन में प्रत्येक में कम से कम 2 वर्ष का अनुभव है । विभागीय परीक्षा द्वारा :— ऐसे निम्न श्रेणी लिपिकों में से जिन्होंने श्रेणी में नियमित आधार पर 5 वर्ष सेवा की है और जो महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा इस प्रयोजनार्थ की गई विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाते हैं और अन्यथा उपयुक्त पाए जाते हैं । उन व्यक्तियों के नाम जो विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाते हैं निम्न श्रेणी लिपिक की श्रेणी में श्रेष्ठ्येष्टता के क्रम में रखे जाएंगे और जहाँ तक व्यवहार्य होगा उन्हें उसी वर्ष में, जिस वर्ष में वे उत्तीर्ण हो जाते हैं प्रोन्नत किया जाएगा । कोई भी व्यक्ति जो किसी विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाता है तब तक प्रोन्नत नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे व्यक्ति जो ऐसी किसी पूर्ववर्ती विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे और अन्यथा उपयुक्त हैं, प्रोन्नत न कर दिए जाए ।	सदस्य ---उपनिदेशक या उपमहानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल । सदस्य—किसी अन्य विभाग का उपमहानिरीक्षक के स्तर का एक अधिकारी ।	
			स्थानांतरण द्वारा :— श्रेणी III के ऐसे प्राशुलिपिकों में से, जिन्होंने बल में 330-560 रु० के वेतनमान में श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है और जो महा-निदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा भी गई विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाते हैं और अन्यथा उपयुक्त पाए जाते हैं । उन व्यक्तियों के नाम, जो विभा-गीय परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाते हैं, प्राशुलिपिक श्रेणी III की श्रेणी में श्रेष्ठ्येष्टता क्रम में रखे जाएंगे और जहाँ तक व्यवहार्य होगा उन्हें उसी वर्ष में, जिस वर्ष में वे उत्तीर्ण हो जाते हैं प्रोन्नत किया जाएगा । कोई भी व्यक्ति जो किसी विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाता है तब तक प्रोन्नत नहीं किया जाएगा जब तक		

9	10	11	12	13	14
			कि ऐसे व्यक्ति जो ऐसी किसी पूर्ववर्ती विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे और अस्थायी उपयुक्त हैं, प्रोन्नत न कर दिए जाएं।		

[सं० पी०-II-6/76-प्रशा० के० डब्ल्यू०/सी०आर० पी० एफ० पर्स० II]
नरेश्वर प्रसाद, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 25th July, 1980

G.S.R. 830.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Upper Division Clerk in the Central Reserve Police Force, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Reserve Police Force (Upper Division Clerk) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualification and other matters relating to the post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, except any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limits, and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection or Non-Selection post	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruitment	Educational or other qualification required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7	8
Upper Division Clerk	477	General Central Service, Group 'C', (Ministerial)	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Non-Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruitment will apply in case of promotion	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If the Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment		
9	10	11	12	13	14		
Not applicable	Two years	70% by promotion. 25% by Departmental examination failing which by promotion. 5% by transfer failing which by Departmental examination and failing both by promotion.	By promotion : From amongst Lower Division Clerks who have rendered not less than eight years service in the grade in the Force on regular basis and have at least two years experience each in the	Departmental Promotion Committee consisting of : Deputy Director or Deputy Inspector General Central Reserve Police Force —Chairman Deputy Director or De-	Not applicable		

9	10	11	12	13	14
			duty Battalion and Group Centre or Static Establishment of same level.	puty Inspector General Central Reserve Police Force. —Member, Officer of the level of Deputy Inspector General from another Department —Member,	
			By Departmental examination :		
			From amongst Lower Division Clerks with not less than five years continuous service in the grade on regular basis who qualify in the Departmental examination held by the Director, General Central Reserve Police Force for the purpose and are found otherwise suitable. The names of the persons who qualify in the Departmental examination shall be arranged in order of seniority in the grade of Lower Division Clerks and as far as practicable they shall be promoted in the year in which they qualify therein. No person who qualifies in any Departmental examination shall be promoted unless the persons who have qualified in any such examination held earlier and are otherwise suitable have been promoted.		
			By Transfer :		
			From amongst Stenographers Grade III in the pay scale of Rs. 330-560 with three years regular service in the grade in the Force and who qualify in the Departmental examination held by the Director General, Central Reserve Police Force and are otherwise found suitable. The names of the persons who qualify in the Departmental examination shall be arranged in order of seniority in the grade of Stenographers Grade III and as far as practicable they shall be promoted in the year in which they qualify therein. No person who qualified in any Departmental examination shall be promoted unless the persons who have qualified in any such examination held earlier and are otherwise suitable have been promoted.		

(कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

सा० का० वि० 831.— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय जांच ब्यूरो (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1 (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम केन्द्रीय जांच ब्यूरो (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती संशोधन नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 केन्द्रीय जांच ब्यूरो (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1967 की अनुसूची में, दृष्टि कमिटेयल के पद से संबंधित मद 5 के सामने,

(i) स्तंभ 4 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“अवधन पद” ;

(ii) स्तंभ 9 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“(क) 60 प्रतिशत पवोनन्ति द्वारा, जिसके त हों सकने पर स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(ख) 40 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा ;

(iii) स्तंभ 10 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“प्रोन्नति.”

50 प्रतिशत विशेष पुलिस स्थापन/केन्द्रीय जांच ब्यूरो के ऐसे कान्स्टेबल जिन्होंने विशेष पुलिस स्थापन/केन्द्रीय जांच ब्यूरो के कान्स्टेबल की पंक्ति में छह वर्ष सेवा की है और विभागीय अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

10 प्रतिशत विशेष पुलिस स्थापन/केन्द्रीय जांच ब्यूरो के ऐसे कान्स्टेबल जिन्होंने विशेष पुलिस स्थापन/केन्द्रीय जांच ब्यूरो में कान्स्टेबल की पंक्ति में कम से कम 10 वर्ष सेवा की है।

स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति

30 प्रतिशत केन्द्रीय/राज्य पुलिस बल या केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभागों में मद्रास या समतुल्य श्रेणियों में कार्य कर रहे व्यक्ति या केन्द्रीय/राज्य पुलिस बल के ऐसे कान्स्टेबल जिन्होंने कान्स्टेबल के रूप में छह वर्ष सेवा की है और केन्द्रीय आसूचना ब्यूरो द्वारा संचालित अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

10 प्रतिशत विशेष पुलिस स्थापन/केन्द्रीय जांच ब्यूरो के ऐसे कान्स्टेबल सेवाकाल के आधार पर जिन्होंने पुलिस स्थापन/केन्द्रीय जांच ब्यूरो में कान्स्टेबल की पंक्ति पर कम से कम 10 वर्ष सेवा की है।

[स० 213/6/79-ए०बी०डी०-II]

टी० के० मुशहहममियन, अवर सचिव

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 25th July, 1980

G.S.R. 831.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Bureau of Investigation (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Bureau of Investigation (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Bureau of Investigation (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1967, against item 5 relating to the post of Head Constable.

(i) in column 4 for the existing entry, the following shall be substituted, namely :—

“Non Selection post” ;

(ii) in column 9, for the existing entry, the following shall be substituted, namely :—

“(a) 60 per cent by promotion failing which by transfer or deputation.

(b) 40 per cent by deputation or transfer” ;

(iii) in column 10, for the existing entry the following shall be substituted, namely :—

“Promotion

50 per cent Constables in Special Police Establishment/Central Bureau of Investigation with six years service in the rank of Constables in SPE/CBI who have qualified in the Departmental Qualifying Examination.

10 per cent Constables in the Special Police Establishment/Central Bureau of Investigation with a minimum of 10 years of service in the rank of Constable in the Special Police Establishment/Central Bureau of Investigation.

Transfer/Deputation

30 per cent persons working in analogous or equivalent grades in Central/State Police Forces or Central State Government Departments, OR Constables in the Central/State Police Forces with six years service as Constable who have qualified in the qualifying examination conducted by the C.B.I.

10 per cent Constables in the Special Police Establishment/Central Bureau of Investigation with a minimum of 10 years of service in the rank of Constable in the Special Police Establishment/Central Bureau of Investigation on the basis of length of service”.

[No. 213/6/79-AVD.II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

बिना मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, बिलौ)

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1980

सीमा शुल्क (बंध पत्र)

सा० का० वि० 832.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का अधिनियम 52) की धारा 57 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड नई दिल्ली ने दिनांक 1 फरवरी, 1963 की अधिसूचना सं० 40 क्रम के अनुसार सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अधीन दिल्ली भाण्डागार स्टेशन घोषित किया गया है, एतद्वारा दिनांक 1 अगस्त, 1980 से एफ-82 ओखला इंडस्ट्रीयल एस्टेट, फेज-1, पार्ट-I, नई दिल्ली-110033 में स्थित गोदाम को, अश्रोत्रमाधरिन सार्वजनिक बंधकित भाण्डागार नियम करने है जिसमें कि शुल्क मात्र अर्थात् औद्योगिक कच्चा माल अथवा अग्रभूत पुरे (बाण्ड में निर्माण और धारा 65 वही के अधीन अन्य प्रक्रिया के लिए नहीं) पहेली बार आयात करने पर बिना शुल्क अत्रा किये जमा कर सकते हैं।

यह सार्वजनिक बंधकित भाण्डागार सैमर्ज केन्द्रीय भाण्डागार नियम, “दीपाणी” तीसरी संजिल, 92, नेहरू प्लेस नई दिल्ली-110019 के प्रभार में रहेगा और केन्द्रीय भाण्डागार नियम, ओखला के भाण्डागार के भाण्डागार

प्रश्न-धन का माना शुरू प्रवर्तित 1932 का भाग 62 (1) के अधीन पूर्व नियत दरों पर किराया और भाण्डागार प्रभारों को वसूल करने के लिए भण्डारी नियुक्त किया गया है।

[सं० 1 सीमा (बन्धन) / दिल्ली/80-सी० सं० VIII(I)
40/1878/78]

ए० एन० शर्मा, सहायक सहायता (सीमाशुल्क)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Office of the Collector of Customs & Central Excise Collectorate, Delhi)

New Delhi, the 24th July, 1980

CUSTOMS (BOND)

S.O. 832.—In exercise of the powers conferred by Section 57 of the Customs Act, 1962 (Act 52 of 1962), Delhi having been declared by the Central Board of Excise & Customs, New Delhi vide Notification No. 40-Cus, dated 1st February, 1963 as a Warehousing Station under Section 9 of the Customs Act, 1962, the undersigned hereby appoints with effect from the 1st of August, 1980, the godown situated at F-82, Okhla Industrial Estate, Phase-I, Part I, New Delhi-110033 to be a Public Bonded Warehouse wherein dutiable goods namely, industrial raw materials or component parts (not for manufacture-in-bond and other operations under Section 65 ibid) may be deposited without payment of duty on the first importation thereof.

This Public Bonded Warehousing will remain in charge of Messrs Central Warehousing Corporation, "Deepali", 3rd Floor, 92, Nehru Place, New Delhi-110019 and the Warehouse Manager of the Warehouse of the Central Warehousing Corporation at Okhla is appointed as the Warehouse-keeper under Section 62(1) of the Customs Act, 1962 to collect rent and warehouse charges at the rates already fixed.

[No. 1-Cus. (Bond) /DLH/80-CNo. VIII(I)40/1878/78]

A. N. SHARMA, Assistant Collector (Customs)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1980

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 833 -- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 2 के खण्ड (ख) और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 4 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड की अधिसूचना सं० 274/79 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 10 नवम्बर, 1979 का निम्नलिखित संशोधन करना है, अर्थात् --

उक्त अधिसूचना की सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी, अर्थात् --

सारणी		
क्रम सं०	राजस्व आसूचना निदेशालय के अधिकारी	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के अधिकारियों की पदवि
1	2	3
1 निदेशक		डायरेक्टर
2 सहायक निदेशक		डिप्टी डायरेक्टर
3 विशेष कार्य अधिकारी		उप-डायरेक्टर
4 उप निदेशक		उप-डायरेक्टर
5 सहायक निदेशक		सहायक निदेशक
6 ज्येष्ठ आसूचना अधिकारी		अधीनस्थ
7 आसूचना अधिकारी		निरीक्षक

[अधिसूचना सं० 127/80-के.उ.का सं० 223/20/80-क०-उ०]

जे० आर० नेमोरिया, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

New Delhi, the 9th August, 1980

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 833.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 2 of the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944), and rule 4 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following amendments in the notification of the Central Board of Excise and Customs No. 274/79—Central Excise, dated the 10th November, 1979, namely --

In the said notification, for the Table, the following Table shall be substituted, namely :—

TABLE

Serial No.	Officers of the Directorate of Revenue Intelligence	Rank of the Officers of Central Excise
(1)	(2)	(3)
1.	Director	Collector
2.	Joint Director	Collector
3.	Officer on Special Duty	Deputy Collector
4.	Deputy Director	Deputy Collector
5.	Assistant Director	Assistant Collector
6.	Senior Intelligence Officer	Superintendent
7.	Intelligence Officer	Inspector

[No.127/80-CE—Notification No.127/80-CE F. No. 223/20/80-CX. 6]

J. R. NEBHORIA, Under Secy.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

सा० का० नि० 834 — वेदोन्वियम नियम, 1976 का संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, वेदोन्वियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30) की धारा 29 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 191 तारीख 19 जनवरी, 1978 के अधीन भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3 उपखण्ड (i) तारीख 4 फरवरी, 1978 पृष्ठ—पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पचास दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आशेष और सुझाव मांगे गये थे, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

और उक्त राजपत्र 4 फरवरी, 1978 को जनता के उपलब्ध करा दिया गया था,

और केन्द्रीय सरकार का जनता में उक्त प्रारूप की बाबत कोई आशेष और सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, वेदोन्वियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30) की धारा 4, धारा 5 की उपधारा (2), धारा 14 की उपधारा (1), धारा 21 और धारा 22 और धारा 29 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वेदोन्वियम नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् --

1 (1) इस नियमों का मूल नाम वेदोन्वियम (संशोधन नियम) 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2 वेदोन्वियम नियम, 1976 के (जिन्हें इस अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया है) नियम 2 में, खण्ड (xi) के पदान्त निम्नलिखित खण्ड का स्थान दिया जाएगा, अर्थात्

(xi) (क) "तत्त्व कर्म" से कोई ऐसा कर्म आशेष है, जिसमें वेल्डिंग, ब्रॉकिंग, टांका लगाना, पक्का टांका लगाना, बालक्षेपण,

इकलिंग उत्पन्न करने वाले औजारों द्वारा छीलना, बिस्कुत चासित कतिपय औजारों का उपयोग, उदात्ता श्रमक विद्युत उपस्कर या अंतर्देहन-इंजन सहित उपस्कर अंतर्बलित है और जिसमें कोई अन्य कर्म, जिससे ज्वलनशील गैसों को ज्वलित करने में समर्थ, पर्याप्त गर्मी उत्पन्न होने की संभावना है, सम्मिलित है ; 1

3. उक्त नियमों के नियम 8 में,—

- (क) उपनियम (1) में, "आग का प्रयोग करके, बेल्डिंग करके, गर्म करके ग्विंटे लगाने या पक्का टांका लगाकर" शब्दों के स्थान पर, "तप्त कर्म" शब्द रखे जायेंगे ।
- (ख) उपनियम (2) में "तीन मास की अवधि तक" शब्दों के स्थान पर, "कम से कम तीन मास की अवधि तक" शब्द रखे जायेंगे ।

4. उक्त नियमों के नियम 43 में,—

- (क) खण्ड (ग), (घ), (ङ) और (च) के स्थान पर, निम्न-लिखित खण्ड रखे जायेंगे, अर्थात् :—
- (ग) कोई भी व्यक्ति किसी ऐसे टैंक या बन्ध स्थान में, जिसमें पेट्रोलियम या या जिसमें पेट्रोलियम होने का संदेह है, मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित प्रकार का श्रमक मांदिष पहने बिना, तब तक प्रवेश नहीं करता है जब तक केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त नियुक्त किए गए किसी अधिकारी ने अनुमोदित पेट्रोलियम बाष्प परीक्षण उपकरण की सहायता से टैंक या स्थान की परीक्षा नहीं कर ली है और उसके द्वारा लिखित रूप में यह प्रमाणित नहीं कर दिया गया है कि उक्त टैंक या स्थान पेट्रोलियम बाष्प से मुक्त है ;
- (घ) जलयान के किसी ऐसे टैंक, भाग या फिटिंग की, जिसमें पेट्रोलियम बाष्प या पेट्रोलियम का होना संभव है, तब तक तप्त कर्म द्वारा श्रमक नहीं की जाती, जब तक कि, यथास्थिति, ऐसे प्रत्येक टैंक, भाग या फिटिंग की परीक्षा, खण्ड (ग) के अधीन नियुक्त किए गए अधिकारी द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम बाष्प परीक्षण उपकरण की सहायता से नहीं कर ली जाती और उसके द्वारा लिखित रूप में यह प्रमाणित नहीं कर दिया जाता है कि टैंक, भाग या फिटिंग पेट्रोलियम बाष्प या पेट्रोलियम से मुक्त है ;
- (ङ) पेट्रोलियम के प्रपुंज का स्थोरा के रूप में बहन करने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाला जलयान अन्य पोतों के बीच में या शुष्क डॉक की ओर तब तक नहीं ले जाया जाता, जब तक कि—
- (i) जलयान आयल बर्थ की ओर अग्रसर नहीं हो रहा है, या
- (ii) खण्ड (ग) के अधीन नियुक्त अधिकारी का इस आशय का प्रमाण पत्र, कि उसने अनुमोदित पेट्रोलियम बाष्प परीक्षण उपकरण की सहायता से सभी टैंकों, काफरडमों, पम्प कक्षों और ऐसे अन्य भागों का जिन्हें आवश्यक समझा जाता है, परीक्षा कर लिया है और यह कि ऐसे टैंक, काफरडम, पम्प कक्ष और अन्य भाग पेट्रोलियम बाष्प से मुक्त है और मास्टर से यह घोषणा पत्र कि जलयान के अन्य ऐसे भागों में जो उपर्युक्त प्रमाण पत्र के अन्तर्गत नहीं आते उसके सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार कोई पेट्रोलियम बाष्प नहीं है, प्रस्तुत नहीं कर दिए जाते हैं ;
- (च) खण्ड (ग) या खण्ड (घ) या खण्ड (ङ) के अधीन प्रमाणपत्र देने वाला अधिकारी ऐसी शर्तें विनिर्दिष्ट कर सकता

है और ऐसी शर्तों को कर सकता है, जो प्रमाणित टैंकों, स्थान या भागों को गैस से मुक्त करने में रखने के लिए आवश्यक है ;

(ख) खण्ड (ग), (घ), (ङ) और (च) का लोप किया जाएगा ।

(ग) अन्त में निम्नलिखित टिप्पण जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"टिप्पण : सम्बद्ध पत्तन प्राधिकारी, खण्ड (ग), (घ) और (ङ) के प्रयोजनों के लिए अन्तिम अनुज्ञा जारी करने वाला प्राधिकारी होगा भले ही गैस मुक्त प्रमाण पत्र इस नियम के खण्ड (ग) के अधीन सम्बद्ध अधिकारी से प्राप्त किए गए हैं ।"

[फा० सं० 3(8)/77-एम आई]

पी० आर० चन्द्रन, उप सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 25th July, 1980

G.S.R. 834.—Whereas a draft of certain rules further to amend the Petroleum Rules, 1976, was published as required by sub-section (2) of section 29 of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934), with the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. G.S.R. 191, dated the 19th January, 1978 at pages 305 and 306 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i), dated the 4th February, 1978 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of 45 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which the notification was published were made available to the public;

And whereas the copies of the said Official Gazette were made available to the public on the 4th February, 1978;

And whereas no objections or suggestions were received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 4, sub-section (2) of the section 5, sub-section (2) of Section 14, Sections 21 and 22 and Sub-Section (1) of Section 29 of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Petroleum Rules, 1976 :—

1. (1) These rules may be called Petroleum (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) In rule 2 of the Petroleum Rules, 1976 (hereinafter referred to as the said rules), after clause (xii), the following clause shall be inserted, namely :—

"(xiii) "hot work" means any work which involves welding, burning, soldering, brazing, sand blasting, chipping by spark producing tools, use of certain power driven tools, non-flameproof electrical equipment or equipment with internal combustion engines and including any other work which is likely to produce sufficient heat, capable of igniting inflammable gases;"

3. In rule 8 of the said rules—

(a) in sub-rule (1), for the words "fire, welding hot riveting or brazing", the words "hot work" shall be substituted ;

(b) in sub-rule (2), for the words "for a period of three months", the words "for a period of at least three months" shall be substituted;

4. In rule 43 of the said rules—

(a) for clause (c), (d), (e) and (f), the following clauses shall be substituted namely :—

"(c) no person enters a tank or an enclosed space which had, or is suspected to have contained petroleum without wearing a breathing apparatus of a type

approved by the Chief Controller unless an officer appointed by the Central Government in this behalf has examined the tank or space with the aid of an approved petroleum vapour testing instrument and has been certified by him in writing that the said tank or space is free from petroleum vapour,

(d) the vessel does not undergo repair by hot work to any of its tanks, parts or fittings which are likely to contain petroleum vapour or petroleum unless each such tank, part or fitting, as the case may be, has been examined by an officer appointed under clause (c) with the aid of an approved petroleum vapour testing instrument and has been certified by him in writing the tank, part or fitting is free from petroleum vapour or petroleum;

(e) the vessel used for the carriage of petroleum in bulk as a cargo is not taken among other ships or to a dry dock unless—

(i) the vessel is proceeding to an oil berth, or

(ii) a certificate from an officer appointed under clause (e) to the effect that he has examined all the tanks, cofferdams, pump rooms and such other parts as are deemed necessary with the aid of an approved petroleum vapour testing instrument, and that such tanks cofferdams, pump rooms and other parts are free from petroleum vapour, and declaration from the Master that to the best of his knowledge there is no petroleum vapour, present in other parts of the vessel not covered by the above certificate are produced;

(f) the officer granting certificate under clause (c) or clause (d) or clause (e) may specify such conditions and make such recommendations as are necessary to maintain gas free condition of tanks, space or parts certified;

(b) clauses (h), (i), (j) and (k) shall be omitted.

(c) the following Note shall be added at the end, namely :—

*Note :—The port authority concerned shall be the authority for the issue of final permission for the purposes of clauses (c), (d) and (e) even though Gas Free Certificates have been obtained from the Officer concerned under clause (c) of this rule."

[F. No 3(8)/77-M I]

P R CHANDRAN, Dy Secy

Central Boilers Board

New Delhi, the 21st July, 1980

G.S.R. 835.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is hereby published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration at the end of forty five days from the date the Gazette containing this notification of publication is made available to the public

2 Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Udyog Bhavan New Delhi

DRAFT REGULATIONS

1 These regulations may be called the Indian Boiler (. Amendment) Regulations, 1980

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 10, for clause (a) the following shall be substituted, namely —

"(a) The Steel shall not contain more than 0.05 per cent of sulphur or phosphorus and the Oxygen process steel shall in addition not contain more than 0.009 per cent of nitrogen"

3 In the said regulations, in regulation 36, for clause (i), the following shall be substituted, namely :—

"(a) Material process.—The tubes shall be seamless and made of steel produced by an Open Hearth or Electric process or any of the oxygen processes. The steel shall not contain more than 0.05 per cent of sulphur or phosphorus and the oxygen process steel shall in addition not contain more than 0.009 per cent of nitrogen. The manufacturers shall supply a certificate of analysis when required to do so"

4 In the said regulations, in regulation 48, in clause (a), for the words, "The tubes shall be manufactured from steel produced by the Open Hearth or Electric process", the following shall be substituted, namely —

"The tubes shall be manufactured from steel produced by the Open Hearth or Electric process or any of the Oxygen processes"

5. In the said regulations, in regulation 53, in clause (a), for the words "The tubes shall be manufactured from steel produced by the Open Hearth or Electric process", the following shall be substituted, namely —

"The tubes shall be manufactured from steel produced by the Open Hearth or or Electric process or any of the Oxygen processes".

6 In the said regulations, in regulation 58, for clause (a), the following shall be substituted, namely —

"(a) Material process.—The steel shall be produced by an Open Hearth or Electric process or any of the Oxygen processes. The steel shall not contain more than 0.05 per cent of sulphur or of phosphorus and the Oxygen process steel shall in addition not contain more than 0.009 per cent of nitrogen"

7 In the said regulations, in regulation 74, in clause (b), the following shall be added at the end, namely :—

"The steel shall comply with the chemical composition specified in the table above and the Oxygen process steel shall in addition not contain more than 0.009 per cent of nitrogen"

8. In the said regulations, in regulation 81, for clause (b), the following shall be substituted, namely —

"(b) Chemical analysis.—The steel shall not contain more than 0.05 per cent of sulphur or of phosphorus and Oxygen process steel shall in addition not contain more than 0.009 per cent of nitrogen"

9 In the said regulations, in regulation 360, for clause (b), the following clause shall be substituted, namely —

"(b) Where pipes are butt welded together such welds shall be effectively stress relieved only when a wall thickness exceeds 20 mm or carbon content of the material exceeds 0.25 per cent or pipes are made of alloy steel in accordance with the following

(1) For carbon steel, a stress relieved heat treatment shall be performed by heating the part to at least 600+ 20°C

When required by the characteristics of the material different temperatures may be necessary to obtain proper stress-relieving. The part to be stress relieved shall be brought slowly up to the specified temperature and held at that temperature for a period proportionate on the basis of at least 2-1/2 minutes per millimeter of the maximum thickness of the part (approximately one hour per twenty five millimeter of thickness) and shall be left to cool in the furnace to a temperature which, for parts with thickness greater than 20 millimeter does not exceed 400° C. After withdrawal from the furnace, the part shall be allowed to cool in a still atmosphere

A temperature time diagram of the stress-relieving process shall be provided when the Inspecting Authority requires it.

- (2) For alloy steel a stress-relieving heat treatment shall be carried out on the basis of the composition of the alloy as shown in the table below :—

TABLE

Types of steel	Range of temperature	Time at temperature per 25 mm of thickness of plate.
C 1/2 MO		
1/2 Cr 1/2 MO	620 °C-650 °C	1 Hour (1 hour min.)
1Cr 1/2 MO		
1 1/2 Cr 1/2 MO	620°-660°C	1 Hour (1 hour min.)
2 1/2 Cr 1 MO	660°C-750 C	1 Hour (hour min.)

Heat treatment shall be carried out by one of the following methods :

- (i) Local heating using a portable muffle induction coils, or other suitable heating appliance. Particular care shall be taken to apply heat uniformly over the area to be treated. The use of procedures that do not provide adequate control for this purpose, such as manual operation of gas torches, is not permissible. The temperature shall be maintained symmetrically over peripheral band of metal of minimum width of three times the width of the butt welded preparation. The temperature shall be measured by thermo couples pinned, welded or otherwise, suitably attached to the surface of the pipe and, where necessary, protected from flame impingement.

- (ii) Heating in stationary industrial furnace. The temperature of the joint shall be measured by thermo couples so disposed within the furnace as to give a true measure of the joint temperature."

10. In the said regulation, in Appendix 'G', in list of "Well known Steel Makers", the following shall be added at end, namely :—

"66. M/s. Bokaro Steel Ltd.
Main Administrative Building,
Bokaro Steel City-1
Distt. Dhanbad (Bihar)".

[F. No. 6(17)/74-Boilers]

S. C. Dey, Secy., Central Boilers Board

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

CORRIGENDA

New Delhi, the 17th July, 1980

G.S.R. 836.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Civil Supplies), GSR 59 (E), dated the 23rd February, 1980, published at pages 107 to 112 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 23rd February, 1980 —

- (a) at page 110, —
in column 1, in line 30,
for "this rule", read "these rules" ;
- (b) at page 110, —
in column 2, in line 26,
for "provide", read "provided" ;
- (c) at page 111, —
in column 1, line 9,
for "Cigarettes", read "Cigarettes"

[F. No. WM-9(36)/77-II]

A. R. BANDYOPADHAY, Jt. Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1980

केन्द्रीय विद्युत बोर्ड

सांका०वि० 837.—केन्द्रीय विद्युत बोर्ड, भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 (1910 का 9) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय विद्युत नियम, 1956 का धीरे संशोधन करना चाहता है। ऐसा कि उक्त अधिनियम की धारा 38 की उपधारा (1) में प्रपेक्षित है कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, हम अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उपर्युक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय विद्युत बोर्ड उन पर विचार करेगा। यदि कोई आक्षेप या सुझाव हों तो वे केन्द्रीय विद्युत बोर्ड, ए बी-5, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029 को भेजे जाएं।

प्राच्य नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय विद्युत (संशोधन), नियम, 1980 है।

(2) ये भारत के राजपत्र में अन्तिम रूप में प्रकाशित किए जाने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 भारतीय विद्युत नियम, 1956 के (जिन्हें इसमें इनके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 126 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"126 जहां गैस हो, वहां पूर्वावधानियां—(1) प्रथम डिग्री गैसीयता के कोयला संस्तर के किसी भाग में,—

(क) सभी केवल ऐसी रीति से बनाए, लगाए, सुरक्षित, प्रक्षालित और अनुरक्षित किए जाएंगे, जिससे खुली चिन्मारियों के खतरे को रोका जा सके ;

(ख) किसी भी ऐसे स्थान पर, जो अन्तिम संवातन कनेक्शन के चरे में है, सभी सकेतन या दूसरे प्रकार परिपथ इस प्रकार बनाए, लगाए, सुरक्षित, प्रक्षालित और अनुरक्षित किए जाएंगे, जिससे स्वतः सुरक्षा हो सके ;

(ग) किसी ऐसे स्थान पर, जो अन्तिम संवातन कनेक्शन के चरे में है, प्रयुक्त सभी साधन, जिनमें नुवह्य और परिवहन योग्य साधन और लाइटिंग फिटिंग सम्मिलित हैं, ज्वालासह (फ्लेमप्रूफ) होंगे।

(2) ऐसे किसी भी स्थान पर, जो द्वितीय और तृतीय डिग्री गैसीयता के कोयला संस्तर के किसी भाग में है,—

(क) सभी सकेतन या दूसरे प्रकार परिपथ इस प्रकार बनाए, लगाए, सुरक्षित, प्रक्षालित और अनुरक्षित किए जाएंगे, जिससे स्वतः सुरक्षा हो सके ;

(ख) सभी केवल ऐसी रीति से बनाए लगाए, सुरक्षित, प्रक्षालित और अनुरक्षित किए जाएंगे, जिससे खुली चिन्मारियों के खतरे को रोका जा सके ;

(ग) किसी ऐसे स्थान पर जो किसी द्वितीय डिग्री गैसीयता वाली खान की दशा में कार्यकारी फेस या गोफ से 90 मीटर की दूरी के भीतर और तृतीय डिग्री गैसीयता वाली खान की दशा में किसी कार्यकारी फेस या गोफ से 270 मीटर के भीतर हो या ऐसे स्थान पर, जो अन्तिम संवातन कनेक्शन या किसी प्रतिगमन वायुमार्ग के चरे में हों, प्रयुक्त सभी साधन, जिसमें नुवह्य और परिवहन योग्य साधन सम्मिलित हैं, ज्वालासह होंगे ;

(घ) सभी विद्युत लैम्प ज्वालासह बाड़े में लगे होंगे।

3. किसी तेल खान या तेल क्षेत्र में, खतरा क्षेत्र के भीतर किसी स्थान पर,

(क) सभी संकेतन या दूरसंचार परिपथ इस प्रकार बनाए, लगाए, सुरक्षित, प्रचालित और अनुरक्षित किए जाएंगे, जिससे स्वतः सुरक्षा हो सके;

(ख) सभी केबल इस प्रकार बनाए, लगाए, प्रचालित और अनुरक्षित किए जाएंगे, जिससे खुली बिम्बारियों के खतरे को रोका जा सके;

(ग) सभी साधन, जिसमें सुबाह्य और परिवहन योग्य साधन सम्मिलित हैं, ज्वालासह होंगे;

(घ) सभी विद्युत् लैप ज्वालासह बाड़े में लगे होंगे।

4. किसी द्वितीय — तृतीय गैसीयता वाले कोयला संस्तर में या किसी तेल खान के खतरा क्षेत्र में:—

(i) ऊर्जा प्रदाय निम्नलिखित स्थितियों में बन्द कर दिया जाएगा—

(क) यदि खुली बिम्बारियां भङ्करी हैं, तो तुरन्त;

(ख) साधन की परीक्षा या समायोजन की अवधि के दौरान, जिसमें किसी ऐसे भाग को खुला छोड़ने की आवश्यकता पड़े जिसमें खुली बिम्बारियां उठ सकती हैं।

(ii) ऊपर उल्लिखित दशाओं में ऊर्जा प्रदाय तब तक पुनः जारी नहीं किया जाएगा, जब तक कि साधन की परीक्षा विद्युत् पर्यवेक्षक या सम्यक् रूप से नियुक्त उसके किसी सहायक द्वारा नहीं कर दी गई है और जब तक दोष, यदि कोई हो, ठीक नहीं कर दिया गया है या जब तक आवश्यक समायोजन नहीं कर दिया गया है।

(iii) सभी साधन (जिसमें सुबाह्य या परिवहन योग्य साधन सम्मिलित हैं) के निकट एक ऐसे ज्वाला सुरक्षा लैम्प को, जो ऊर्जित रहता है, निरन्तर प्रवीण स्थिति में बनाए रखा जाएगा; और जहाँ ऐसे सुरक्षा लैम्पों में ज्वाला दिखाई देने में ज्वलनशील गैस की उपस्थिति का पता चलता है, वहाँ उस परिदृश्य में सभी साधनों को ऊर्जा प्रदाय तुरन्त बन्द कर दिया जाएगा और खान के किसी अधिकारी को इस घटना की तुरन्त रिपोर्ट की जाएगी।

(iv) जहाँ ज्वाला सुरक्षा लैम्पों के प्रतिरिक्त ऐसे साधन को काम में लाया जाता है कि ज्वलनशील गैस या वाष्प की प्रतिशतता का पता स्वतः ही चल जाए, वहाँ ऐसे साधन खान सुरक्षा निरीक्षक द्वारा अनुमोदित किए जाएंगे और इन्हें बिम्बुल ठीक स्थिति में रखा जाएगा।

(5)(i) गैसीयता की किसी डिग्री के कोयला संस्तर के किसी भाग में या तेल खान के खतरा क्षेत्र में, यदि साधारण वायु में ज्वलनशील गैस की प्रतिशतता किसी भी समय सवा एक से अधिक पाई जाए तो उस क्षेत्र में सभी केबलों और साधनों से ऊर्जा प्रदाय तुरन्त बन्द कर दिया जाएगा और तब तक पुनः जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि ज्वलनशील गैस का प्रतिशत सवा एक से अधिक रहता है।

(ii) इस प्रकार ऊर्जा प्रदाय बन्द किए जाने या पुनः जारी करने की बात एक ऐसी लम्बी शीट में, जो ऊपावर्ष 12 में अधिकतम प्ररूप में रखी जाएगी, लिख ली जाएगी और निरीक्षक को इसकी रिपोर्ट की जाएगी।

(6) इस नियम के उपबन्ध ऐसी किसी धातुमय खान को, जो खान निरीक्षक द्वारा अधिसूचित की जाए, तब लागू होंगे, जब ऐसी खान में ज्वलनशील गैस पैदा हो जाती है या अब खान निरीक्षक की यह राय है कि ऐसी खान में ज्वलनशील गैस का पैदा होना संभाव्य है।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजन के लिए,—

(1) “प्रथम डिग्री गैसीयता का कोयला संस्तर”, “द्वितीय डिग्री, गैसीयता का कोयला संस्तर”, “तृतीय डिग्री गैसीयता का कोयला संस्तर” और “ज्वालासह साधन” पदवर्णियों के अर्थ वही होंगे, जो कोयला खान विनियम, 1957 में अमल में उनके हैं;

(2) किसी तेल खान या तेल क्षेत्र में निम्नलिखित क्षेत्र खतरा-क्षेत्रों के रूप में जाने जाएंगे, अर्थात्:—

(क) किसी ऐसे तेल कूप के, जहाँ वातगत हवा है या होने की सम्भावना है, चारों ओर कम से कम 90 मीटर का ऐसा क्षेत्र जो घटना स्थल उपस्थित प्रभारी इंजीनियर या उच्चतम अधिकारियों द्वारा अभिहित किया जाए;

(ख) किसी ऐसे तेल कूप के, जिसका खुले प्रवाह द्वारा परीक्षण किया जा रहा है, 90 मीटर के भीतर का क्षेत्र,

(ग) निम्नलिखित के 15 मीटर के भीतर का क्षेत्र—

(i) उत्पादक कूपशीर्ष या वहाँ से कच्चे तेल की खुली निकासी का कोई बिन्दु या ऐसा अन्य बिन्दु, जहाँ खतरनाक वायुमण्डल के उत्सर्जन के सामान्यतः उत्पन्न होने की सम्भावना है; या

(ii) कोई वाइल्डकैट या खोज कूप-शीर्ष जो ऐसे क्षेत्र में ड्रिल किया जा रहा है, जहाँ/वहाँ असामान्य दाब दशाओं का विद्यमान होना ज्ञात है, या

(iii) कोई खोज या अन्तराल कूप-शीर्ष, जो ऐसे क्षेत्र में ड्रिल किया जा रहा है, जहाँ असामान्य दाब दशाओं का विद्यमान होना ज्ञात है, या

(घ) निम्नलिखित के 4.5 मीटर के भीतर का क्षेत्र—

(i) कोई उत्पादक कूप-शीर्ष जहाँ सामान्य परिस्थितियों में क्षेत्र में खतरनाक वायुमण्डल के उत्सर्जन या संचयन को रोकने के लिए उत्पादन की बन्द पद्धति काम में लाई जाती है; या

(ii) खोज या अन्तराल कूप-शीर्ष, जो ऐसे क्षेत्र में ड्रिल किया जा रहा है, जहाँ दाब दशाएँ सामान्य हैं और जहाँ की जा रही ड्रिलिंग की पद्धति में क्षेत्र के भीतर सामान्य परिस्थितियों में खतरनाक वायुमण्डल के उत्सर्जन या संचयन को रोकने के लिए पर्याप्त उपाय सम्मिलित हैं; या

(3) ऐसा तेल-कूप, जिसका खुले प्रवाह से भिन्न पद्धति द्वारा परीक्षण किया जा रहा है।

स्पष्टीकरण:—खण्ड (घ) के प्रयोजनों के लिए “खतरनाक वायुमण्डल” से ऐसा वायुमण्डल अभिप्रेत है, जिसमें ज्वलनशील संकेन्द्रण में कोई ज्वलनशील गैस या वाष्प है।”

उक्त नियमों के नियम 131 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“131. पर्यवेक्षण:—(1)(i) खान निरीक्षक द्वारा यथा निर्देशित एक या अधिक विद्युत् पर्यवेक्षक प्रतिष्ठापन के पर्यवेक्षण के लिए, खान के स्वामी, अधिकारी या प्रबंधक द्वारा या तेल क्षेत्र में एक या अधिक कूपों के अधिकारी या स्वामी द्वारा लिखित रूप में नियुक्त किए जाएंगे।

(ii) इस प्रकार नियुक्त विद्युत् पर्यवेक्षक ऐसा व्यक्ति होगा, जिसके पास नियम 45 के उपनियम (1) के अधीन जारी किया गया विधि-मान्य विद्युत् पर्यवेक्षक सक्षमता प्रमाणपत्र (जिसके अन्तर्गत खानन प्रतिष्ठापन भी है) है।

(iii) यदि खान निरीक्षक इस नियम में विनिर्दिष्ट कर्तव्यों का पालन करने के लिए वैसा आवश्यक समझता है तो, वह खान के स्वामी या अधिकारी को एक या अधिक विद्युत् मिस्त्रियों को, जो ऐसे व्यक्ति होंगे, जिनके पास नियम 45 के उपनियम (1) के अधीन अनुज्ञप्ति है, नियुक्त करने का निर्देश दे सकेगा।

(2) किसी साधन के प्रचालन, पर्यवेक्षण, परीक्षण या समायोजन के लिए नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति ऐसा कार्य करने में, सक्षम होगा जिसे इंजीनियर के निर्देशानुसार करने की उससे अपेक्षा की जाती है।

(3) विद्युत् पर्यवेक्षक निम्नलिखित कर्तव्यों के अपने द्वारा या उपनियम (1) के अधीन नियुक्त विद्युत् मिस्त्रियों द्वारा उचित निष्पादन के लिए उत्तरदायी होगा, अर्थात्:—

(क) खतरा रोकने के लिए, जितनी भी बार वैसा करना आवश्यक हो, उतनी बार सभी साधनों का (जिसमें भू-चालकों का परीक्षण

करना और मातृपत्र के लिए, धात्विक आच्छादन सम्मिलित है)
धनी-भानि परीक्षण ;

- (ख) सभी नए माधियों की, और ऐसे सभी माधियों की, जिन्हें खान में पुनः लगाया गया है, उनके किसी नई स्थिति में काम में लाने से पूर्व, परीक्षा और परीक्षण ।

(4) तीन दिन से अधिक तक किसी विद्युत् पर्यवेक्षक के अनुपस्थित रहने की वशा से, खान का स्वामी, अधिकारी या प्रबन्धक या किसी तेल क्षेत्र में एक या अधिक तेल-कूपों का अधिकारी या स्वामी किसी प्रतिस्वापी विद्युत् पर्यवेक्षक को लिखित रूप में नियुक्त करेगा ।

(5)(i) विद्युत् पर्यवेक्षक या उसके स्थान पर उपनियम (4) के अधीन नियुक्त प्रतिस्वापी विद्युत् पर्यवेक्षक, खान या तेल क्षेत्र पर, उपा-बंध 12 में उपदिष्ट प्रारूप में तैयार की गई दैनिक लाग शीटों की बर्ना लाग बुक रखने के लिए वैयक्तिक रूप से उत्तरदायी होगा ।

(ii) उपनियम (3) के उपबंधों के अनुसार किए गए सभी परीक्षणों का परिणाम, उपाबंध 12 में उपदिष्ट प्रारूप में तैयार की गई लाग शीट में लेखबद्ध किया जाएगा ।”

[सी० एम०-305/38/80]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

New Delhi, the 22nd July, 1980

CENTRAL ELECTRICITY BOARD

G.S.R. 837.—The following draft of certain rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956, which the Central Electricity Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 37 of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), is hereby published as required by sub-section (1) of section 38 of the said Act, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Central Electricity Board) No. G.S.R. 503, dated the 1st April, 1978, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after expiry of a period of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the aforesaid period of three months will be considered by the Central Electricity Board. Objections or suggestions, if any, may be sent to the Secretary Central Electricity Board, AB-5, Safdarjung Enclave, New Delhi-110029.

DRAFT RULES

- (1) These rules may be called the Indian Electricity (Amendment) Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
- For rule 126 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“126. Precautions where gas exists —

- (1) In any part of a coal seam of the first degree gassiness, —
 - (a) all cables shall be constructed, installed, protected, operated and maintained in such a manner as to prevent risk of open sparking ;
 - (b) at any place which lies in bye of the last ventilation connection, all signalling or telecommunication circuits shall be so constructed, installed, protected, operated and maintained as to be intrinsically safe ;
 - (c) all apparatus including portable and transportable apparatus including lighting fittings used at any place which lies in bye of the last ventilation connection shall be flame-proof.

(2) At any place which lies in any part of a coal seam of second and third degree gassiness, —

- (a) all signalling or telecommunication circuits shall be so constructed, installed, protected, operated and maintained as to be intrinsically safe ;
- (b) all cables shall be constructed, installed, protected, operated and maintained in such a manner as to prevent risk of open sparking ;
- (c) all apparatus, including portable and transportable apparatus used at any place within 90 metres of any working face or goaf in case of a second degree gassiness and within 270 metres of any working face or goaf in case of third degree gassiness or at any place which lies in bye of the last ventilation connection or in any return airways shall be flame-proof ;
- (d) all electric lamps shall be enclosed in flame-proof enclosures.

(3) In any oil mine or oil field, at any place within the Danger Areas,—

- (a) all signalling or telecommunication circuits shall be so constructed, installed, operated, protected and maintained as to be intrinsically safe ;
- (b) all cables shall be so constructed, installed, operated and maintained as to prevent risk of open sparking ;
- (c) all apparatus including portable and transportable apparatus shall be flame-proof ;
- (d) all electric lamps shall be enclosed in flame-proof enclosures.

(4) In any coal seam of degree second and degree third gassiness or the danger zone of oil mine the supply shall be discontinued,—

- (a) immediately, if open sparking occurs ;
- (b) during the period required for examination or adjustment of the apparatus, which would necessitate the exposing of any part liable to open sparking ;
- (c) the supply shall not be reconnected until the apparatus has been examined by the electrical supervisor or one of his duly appointed assistants until the defect, if any, has been remedied or the necessary adjustment made ;
- (d) a flame safety lamp shall be provided and maintained in a state of continuous illumination near an apparatus (including portable or transportable apparatus) which remains energised and where the appearance of the flame of such safety lamps indicates the presence of inflammable gas, the supply to all apparatus in the vicinity shall be immediately disconnected and the incident reported forthwith to an official of the mine :

Provided that where appliances for automatic detection of the percentage of inflammable gas or vapour are employed in addition to the flame safety lamps, such appliances shall be approved by the Inspector of mines and maintained in perfect order.

- (5) (i) In any part of a coal seam of any degree of gassiness or in a danger area of an oil mine, if the presence of inflammable gas, the supply to all apparatus of air is found any time to exceed one and one quarter, the supply of energy shall be immediately disconnected from all cables and apparatus in the area and the supply shall not be reconnected so long as the percentage of inflammable gas remains in excess of one and one quarter.
- (ii) Any such disconnection or reconnection of the supply shall be noted in the logsheet which shall be maintained in the form set out in Annexure XII and shall be reported to the Inspector.
- (6) The provisions of this rule shall apply to any metalliferous mine which may be notified by the Inspector of Mines if inflammable gas occurs or if the Inspector of Mines is of the opinion that inflammable gas is likely to occur in such mine.

Explanation —For the purposes of this rule —

(1) the expression 'coal seam of first degree gassiness', 'coal seam of second degree gassiness', 'coal seam of third degree gassiness', and 'flame-proof apparatus', shall have the meanings respectively assigned to them in the coal Mines Regulations, 1957

(2) the following areas in an oil mine or oil field shall be known as danger areas, namely —

(a) an area of not less than 90 metres around an oil well where a blowout has occurred or is likely to occur, as may be designated by the engineer-in-charge or the senior most official present at the site ;

(b) an area within 90 metres of an oil well which is being tested by open flow ;

(c) an area within 15 metres of —

(i) a producing well head or any point of open discharge of the crude there from or other point where emission of dangerous atmosphere is normally likely to arise, or

(ii) any wildcat or exploration well head being drilled in an area where abnormal pressure conditions are known to exist, or

(iii) any exploration or interspaced well head being drilled in the area where abnormal pressure conditions are known to exist, or

(d) any area within 45 metres of —

(i) any producing well head where a closed system of production is employed such as to prevent the emission or accumulation in the area in normal circumstances of a dangerous atmosphere, or

(ii) exploration or interspaced well head being drilled in an area where the pressure conditions are normal and where the system of drilling employed includes adequate measures for the prevention in normal circumstances of emission or accumulation within the area of a dangerous atmosphere ; or

(iii) an oil well which is being tested other than by open flow

Explanation —For the purposes of clause (d) "dangerous atmosphere" means an atmosphere containing any inflammable gases or vapours in a concentration capable of ignition

3 For rule 131 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely —

131 Supervision —(1) (i) One or more electrical supervisors as directed by the Inspector shall be appointed in writing by the owner, agent or manager of a mine or by the agent or the owner of one or more wells in an oil field to supervise the installation

(ii) The electrical supervisor so appointed shall be the person holding a valid electrical Supervisor's Certificate of Competency (covering mining installation issued under sub rule (1) of rule 45

(iii) If the Inspector considers necessary for the compliance with the duties specified this rule, he may direct the owner or agent of the mine to appoint one or more electricians who shall be persons holding licence under sub rule (i) of rule 45

(2) Every person appointed to operate, supervise, examine or adjust any apparatus shall be competent to undertake the work which he is required to carry out as directed by the engineer

(3) The Electrical supervisor shall be responsible for the proper performance of the following duties, by himself or by electricians appointed under sub rule (1) ;

(a) thorough examination of all apparatus (including the testing of earth conductors and metallic coverings for continuity) as often as may be necessary to prevent danger ,

(b) examination and testing of all new apparatus, and of all apparatus, re-erected in the mine before it is put into service in a new position

(4) In the absence of any electrical supervisor for more than three days, the owner, agent or manager of the mine or the agent or owner of one or more oil-wells in an oil field, shall appoint in writing a substitute electrical supervisor.

(5) (i) The electrical supervisor or the substitute electrical supervisor appointed under sub-rule (4) to replace him shall be personally responsible for the maintenance at the mine of oil field, of a log book made up of the daily log-sheets prepared in the form set out in Annexure XII

(ii) The results of all tests carried out in accordance with the provisions of sub-rule (3) shall be recorded in the log-sheet prepared in the form set out in Annexure XII

[CM 305/38/80]

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

सा० का० नि० 838 —यह भारतीय विद्युत नियमावली, 1956 में और आगे संशोधन करने के लिए अनिवार्य नियम के प्रारूप, भारतीय विद्युत अधिनियम 1910 (1910 का 9) की धारा 38 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, केन्द्रीय विद्युत बोर्ड की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 1278 तारीख 5 अक्टूबर 1979 के अन्तर्गत भारत सरकार के राजपत्र भाग 2 खंड 1 के 20 अक्टूबर, 1979 के अंक में प्रकाशित किया गया था जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने और जनता को उसकी प्रतियों के उपलब्ध होने की तारीख के 90 दिन की अवधि की समाप्ति तक उससे संभावित प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किये गये थे ,

और यह उक्त राजपत्र जनता को 22 अक्टूबर, 1979 को उपलब्ध करा दिया गया था ,

और यह उक्त प्रारूप पर प्राप्त आपत्तियों या सुझावों पर विचार कर लिया गया है ,

अतः अब केन्द्रीय विद्युत बोर्ड, उक्त अधिनियम की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय विद्युत नियम, 1956 में आगे संशोधन करने के लिए एनक्लाचर निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् —

1 (1) इस नियम का नाम भारतीय विद्युत (संशोधन) नियम, 1980 है ।

3 (2) ये भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2 भारतीय विद्युत नियमावली, 1956 के नियम 91 में उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित का रखा जायेगा जो कि इस प्रकार है —

"(3) उच्च तथा अतिरिक्त उच्च वोल्टता वाली ऊपरी लाइन का प्रत्येक मालिक, ऊपरी लाइन की ऐसी टे पर जिस पर सीढ़ी अथवा विशेष साधन के बिना आसानी से चढ़ा जा सकता है, अनधिकृत व्यक्तियों को चढ़ने से रोकने के लिए निरीक्षक की मनुष्य के अनुरूप पर्याप्त प्रबंध करेगा इस नियम के प्रयोजन के लिए ऐसी रेलों, सीढ़ी-रहित प्रबलित सीमेंट कंक्रीट खम्भों (पोल) और पूर्ण प्रतिबलित सीमेंट कंक्रीट खम्भों, नलाकार खम्भों, सीढ़ी-रहित कलड़ी की टेको, आई-खंडों और चैनलों को टेक माना जाएगा जिन पर आसानी से चढ़ा न जा सके ।"

[स० सी० एम० 305/91(3)/80]

सत्य बान सिवारी, सचिव
के० वि० बोर्ड

New Delhi, the 23rd July, 1980

G.S.R. 838.—Whereas certain draft rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956, were published, as required under sub-section (1) of section 38 of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), with the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, (Central Electricity Board), No. GSR 1278, dated the 5th October, 1979, on 20th October, 1979, in Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (i), inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of period of 90 days from the date on which the copies of the Gazette of India in which the notification was published were made available to the public ;

And whereas the copies of the said Gazette were made, available to the public on 22nd July, 1979 ;

And whereas objections and suggestions received on the said draft rules were considered by the Central Electricity Board ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 37 of the said Act, the Central Electricity Board hereby makes the following rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956, namely :—

RULES

1. (1) This rule may be called the Indian Electricity (Amendment) Rules, 1980.
- (2) This shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
2. In the Indian Electricity Rules, 1956, in rule 91, for sub-rule (3) the following shall be substituted, namely :—
- “(3) The owner of every high and extra-high voltage overhead line shall make adequate arrangements to the satisfaction of the Inspector to prevent unauthorised persons from ascending any of the support of such overhead lines which can be easily climbed upon without the help of a ladder or special appliances. Rails reinforced cement concrete poles and pre-stressed cement concrete poles without steps, tubular poles, wooden supports without steps, I-

sections and channels shall be deemed as supports which cannot be easily climbed upon for the purpose of this rule.”

[No. CM-305/91(3)/80]

S. W. TEWARI, Secy.

Central Electricity Board

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1980

सां.कां.निं. 839—भारत के राजपत्र के भाग 2 खंड 3, उपखंड (i) में 17 मार्च, 1979 को प्रकाशित भारत सरकार, कृषि और मिर्चाई मंत्रालय (कृषि विभाग) की अधिसूचना संख्या सां.कां.निं. 408 दिनांक 28 फरवरी, 1979 में कृषि विभाग उप-निदेशक (शृण) भर्ती नियम, 1978 में नियम 1 के उप नियम (i) के अंग्रेजी पाठ में “1978” के स्थान पर “1979” तथा हिन्दी पाठ में 1939 के स्थान पर “1979” पढ़ा जाए।

[सं. 12018/9/78-स्वा. 5]

आसा राम जैन, अवसर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th July, 1980

G.S.R. 839.—In the Department of Agriculture Deputy Director (Credit) Recruitment Rules, 1978, published with the notification of the Government of India, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture), No. G.S.R. 408, dated the 28th February, 1979, in the Gazette of India, Part II-Section 3-Sub-section (i), dated the 17th March, 1979, in sub-rule (1) of rule 1, for “1978” read “1979”.

[No. 12018/9/78-Estt.V]

A. R. JAIN, Under Secy.

शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

सां. कां. निं. 840.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबंध द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा अंशमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन राजकीय डिग्री कालेज, पोर्ट ब्लेयर (लेक्चरर) भर्ती नियमावली, 1978 को रद्द करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा राजकीय कालेज, पोर्ट ब्लेयर में लेक्चरर के पद के लिए भर्ती की प्रणाली का नियमन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्

1. लघु शीर्षक और प्रारंभ : (1) इन नियमों को अंशमान तथा निकोबार द्वीप, समूह प्रशासन राजकीय कालेज, पोर्ट ब्लेयर (लेक्चरर) भर्ती नियम, 1980 कहा जाए।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा उनसे सम्बद्ध वेतनमान वही होगा जो इसके साथ संलग्न अनुसूची के 2 से 4 तक के कालम में निदिष्ट है।

3. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा तथा अन्य अर्हताएं : उक्त पदों के लिए भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा, अर्हताएं और इन से सम्बद्ध अन्य बातें वही होंगी जो उपरोक्त अनुसूची के कालम 5 से 14 में निदिष्ट हैं।

4. प्रयोग्यता : कोई भी ऐसा व्यक्ति (क) जो ऐसे व्यक्ति से विवाह अथवा विवाह का अनुबंध करता है जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो अथवा (ख) जो पति/पत्नी के जीवित रहने हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह अथवा विवाह का अनुबंध करता है,

उक्त पदों में से किसी पर भी नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा :

अर्थात् कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि उस व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह अनुमत्त है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक और उचित है तो लिखित रूप में कारणों को दर्ज करते हुए वह आदेश द्वारा तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से व्यक्तियों के किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत दे सकती है।

6. प्रतिबन्ध : इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जानी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को देने के लिए अपेक्षित आरक्षणों में आयु सीमा के संबंध में ढील और अन्य रियायतों पर इन नियमों की किसी व्यवस्था से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अनुसूची क्या प्रवर्ण पद है या अप्रवर्ण पद है	सीधी भर्ती बांधों के लिए आयु सीमा	क्या के० मि० से० (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 10 के अंतर्गत सेवा के बढाए गए वर्षों का साथ अनुमत्य होगा	सीधी भर्ती बांधों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
लैक्चरर	29	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग 'क' राजपत्रित	700-40-1100- 50-1300- मूल्यांकन-50- 1600 रु०	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए ढील दी जा सकती है) टिप्पणी : आयु सीमा निर्धारण के लिए निर्णायक तिथि प्रत्येक मास में भारत के उम्मीदवारों से आवे- दन प्राप्त करने की अंतिम तिथि होगी (अंशमान तथा निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप सभ शासित क्षेत्रों को छोड़कर)	नहीं	अनिवार्य : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय की कम से कम प्रथम श्रेणी (मातृ-सूत्रीय पैमाने में बी+) मास्टर डिग्री (प्रत्येक भर्ती के समकक्ष पद की भर्ती के अनुसार विषय दर्शाया जाएगा) अथवा समकक्ष डिग्री सहित निरंतर अच्छा शैक्षिक रिकॉर्ड। (2) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय से एम० फिल० डिग्री अथवा समकक्ष डिग्री (प्रत्येक भर्ती के समय पद की भर्ती के अनुसार विषय दर्शाया जाएगा)। अथवा स्वतंत्र अनुसंधान कार्य के लिए उम्मीदवार के नामधर्त्य को दर्शाने वाला प्रकाशित कार्य। टिप्पणी 1 : यदि किसी उम्मीदवार का उसके प्रकाशित कार्य के निबंध से यथा स्पष्ट अनुसंधान कार्य प्रायोग की राय में बहुत ही उच्च स्तर का हो तो अनिवार्य अर्हता (1) में अपेक्षित सीमा तक ढील दी जा सकती है। टिप्पणी 2 : (2) में दी गई अपेक्षाओं को पूरा न करने वाला उम्मीदवार इस शर्त पर पात्र है कि उसे अपनी निम्नलिखित के 5 वर्षों के अन्दर एम० फिल० डिग्री अथवा इसके समकक्ष डिग्री प्राप्त करनी होगी। ऐसी डिग्री प्राप्त न करने

1	2	3	4	5	6	7	8
							पर वह उस समय तक भाषी वेतन-वृद्धियां प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा जब तक कि वह उचित प्रपेक्षा को पूरा नहीं कर लेता है।
							टिप्पणी 3 (i) "बी+" का अर्थ है कि एम० ए०/एम० एस० सी० परीक्षाओं में 55% अथवा अधिक अंक
							(ii) "निरंतर प्रच्छा शैक्षिक रिकॉर्ड" का अर्थ है कि एम० ए० से पूर्व की दो परीक्षाओं अर्थात् पूर्व-विश्वविद्यालय/उच्चतर माध्यमिक पार्ट II/इन्टर-मीडिएट और बी०ए० में औसत 50% अंक वाछणीय
							कमा संकाय (गृह विज्ञान सहित किन्तु भाषाएं छोड़कर) में विषयों को हिन्दी के माध्यम से पढ़ाने की योग्यता तथा द्विती स्तर पर हिन्दी का ज्ञान होना।

क्या सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित की गई प्राप्ति तथा शैक्षणिक अर्हताएं पदोन्नति व्यक्तियों पर भी लागू होंगी	परिशीक्षा की प्रकृति यदि कोई हो तो	भर्ती की प्रणाली क्या प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/तबादले द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति/तबादले/प्रतिनियुक्ति द्वारा भर्ती किए जाने की स्थिति में उन प्रेबों का उल्लेख जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/तबादले किए जाने हैं	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति है तो इसका गठन क्या है	परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने के विषय में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा अथवा प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा (अंशकालिक ठेका सहित) सही पद्धति का निर्णय हर बार आयोग के परामर्श से किया जाना चाहिए।	प्रतिनियुक्ति पर तबादला (अंशकालिक ठेका सहित) केन्द्रीय/राज्य सरकारों, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों तथा कालेजों के समान पदों पर कार्य कर रहे अधिकारी (प्रतिनियुक्ति/तबादले की प्रकृति सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होती)।	बर्ग 'क' विभागीय पदोन्नति समिति (स्थायीकरण पर विचार करने के लिए) का गठन (I) जिसमें संघ लोक सेवा आयोग का एक सदस्य विभागीय पदोन्नति समिति के साथ महु-योजित किया जाना चाहिए— (1) संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य—अध्यक्ष (2) विकास आयुक्त-विकास सचिव/अंशमान तथा निको-बार प्रशासन—सदस्य (3) विभाग का प्रभारी सचिव—सदस्य	हर बार न्यून संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा। इन नियमों के किसी भी उपबंध का संशोधन करते समय संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श भी आवश्यक है। टिप्पणी—विभागीय पदोन्नति समिति की स्थायीकरण संकक्षी कार्यवाही संघ लोक सेवा आयोग को स्वीकृति के लिए भेजी जायगी। यद्यपि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ये स्वीकृत नहीं होती हैं तो संघ लोक सेवा आयोग के

9	10	11	12	13	14
				(II) जिसमें सच लोक सेवा आयोग के सदस्य को विभागीय पदोन्नति समिति में सहयोजित करने की आवश्यकता नहीं है :—	अध्यक्ष अथवा किसी सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय पदोन्नति समिति की एक नहीं बैठक होगी
				(1) विकास आयुक्त— अध्यक्ष	
				(2) संबंधित विभाग का प्रभारी सचिव— सदस्य	
				(3) संबंधित विभाग/ कार्यालय का प्रमुख या अन्य सचिव अंशमान निकोबार प्रशासन— सदस्य	
				टिप्पणी—यदि विकास आयुक्त-व-विकास सचिव, अंशमान तथा निकोबार प्रशासन सब- क्षित विभाग का प्रभारी सचिव होता है तो अंशमान तथा निको- बार प्रशासन का कोई अन्य सचिव एक सदस्य होगा।	

[सं ए० 12034/6/74-स्कूल 6]

गिरधारी लाल, निदेशक

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE

(Department of Education)

New Delhi, the 25th July, 1980

G.S.R. 840.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in super-session of the Andaman and Nicobar Islands Administration Government College, Port Blair, (Lecturer) Recruitment Rules, 1978, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Lecturer in the Government College, Port Blair namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Andaman and Nicobar Islands Administration Government College, Port Blair, (Lecturer) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matter relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation regarding age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 10 or CCS (P) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Lecturer	29	General Central Service, Group 'A', Gazetted	Rs. 700-40-1100-50-1300 Assessment-50-1600	Not applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union Territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No	<p>Essential :</p> <p>(i) A consistently good academic record, with at least first or high second class (B+) in the seven-point scale) at the Master's Degree (subject to be indicated according to the requirement of the post at the time of each recruitment) of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) An M. Phil Degree (subjects to be indicated according to the requirement of the post at the time of each recruitment) of a recognised University or equivalent.</p> <p>OR</p> <p>Published work indicating the capacity of the candidate for independent research work.</p> <p>Note 1. Essential qualification (i) would be relaxable to the required extent, if the research work of a candidate as evident from his thesis or published work is, in the opinion of the Union Public Service Commission, of a very high standard.</p> <p>Note 2. A candidate not fulfilling the requirement at (ii) is also eligible on the condition that he shall obtain the M. Phil Degree or equivalent within 5 years of his appointment, failing which he shall not be entitled to earn future increments till he fulfils that requirement.</p> <p>Note 3. (i) "B+" means 55% marks or more in M.A./M.Sc. Examinations (ii) "Consistently good academic record" means average 50% marks in the two examinations prior to M.A. that is pre-university/Higher Secondary Part II/Intermediate and B.A.</p> <p>Desirable :</p> <p>Ability to teach the subjects in the Arts Faculty (including Home Science but excluding languages) through the medium of Hindi and having knowledge of Hindi at Degree level.</p>

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation / transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation / transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment or transfer on deputation (including short-term contract), the exact method being decided in consultation with the Union Public Service Commission on each occasion.	Transfer on deputation (including short-term contract): Officers of the Central/State Governments and Colleges holding analogous posts. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation) consisting of : I. Wherein a Member of the U.P.S.C. should be associated with the D.P.C. : (1) Member of the U.P.S.C. —Chairman (2) Development Commissioner-cum-Development Secretary, Andaman and Nicobar Administration —Member (3) Secretary incharge of the Department —Member II. Wherein a member of the UPSC need not be associated with the DPC : (1) Development Commissioner —Chairman (2) Secretary incharge of the Department concerned —Member (3) Head of Department/Office concerned or another Secretary, Andaman and Nicobar Administration —Member Note : If Development Commissioner-cum-Development Secretary, Andaman and Nicobar Administration happens to be the Secretary-incharge of the Department concerned, another Secretary of the Andaman and Nicobar Administration shall be a member.	Selection on each occasion shall be made in consultation with the UPSC. Consultation with the U.P.S.C. is also necessary while amending / relaxing any of the provisions of these rules. Note : The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval, if however, these are not approved by the Union Public Service Commission a fresh meeting of the D.P.C. to be presided over by the Chairman of a member of the U.P.S.C. shall be held.

[No. A. 12034/6/74-Sch. 6]
GIRDHARI LAL, Director

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1980

सांकांनि० 841.—राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्माण और आवास मंत्रालय में एन०ए०एस० सेवाकार के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

- संक्षिप्त नाम और शुरुआत:—(1) इस नियमों का संक्षिप्त नाम निर्माण और आवास मंत्रालय (एन०ए०एस० सेवाकार) भर्ती नियम, 1980 है।
(2) ये सचिवालय में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसके वेतनमान के होंगे जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और महंगाई आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, महंगाई और उसके संबंधित अन्य बातों के होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. विरुद्धताएँ:— वह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

जब वह पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का रुकावट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अर्थात् अनुसूच है और ऐसा करने के लिए अन्य साधन हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. निषेध शिथिल करने की शक्ति:— जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह शक्ति है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की भावत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति:— इन नियमों की शक्ति की शक्ति ऐसे प्रावधानों, प्रावधानों में छूट और अन्य विधायकों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित अजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

व्यक्ति का नाम	वर्गों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनिकमान	भयन प्रभाव प्रवर्तन पर	सीधे संर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्राव- सीमा	संर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए मौखिक और अन्य प्रवर्तन
1	2	3	4	5	6	7
एस०एस० लेखा- कार	4	नागरिक केन्द्रीय सेवा समूह "ग" (धराज- पत्रित) (प्रतिपिक वर्गिय)	550-20-700 धराज- 25-900	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे संर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्राव और मौखिक प्रवर्तन की वधा में प्रभाव होगा या नहीं	परिषदा की प्रवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होती/ या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न प्रवृत्तियों द्वारा भर्ती की जाने वाली विधियों की प्रतिक्रिया	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वधा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति प्रवर्तित है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सच सेवा प्रायोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति द्वारा या स्थानान्तर- रण द्वारा	स्थानान्तरण और प्रतिनियुक्ति के लिए भारत सरकार के विभिन्न विभागों/विभागों से किसी संगठित सेवा विभाग अथवा भारतीय संपरीक्षा और सेवा विभाग, भारतीय रक्षा सेवा विभाग, भारतीय रेल सेवा विभाग, भारतीय डाक और विभाग, वित्त और सेवा विभाग तथा मुख्य सेवा कर्मचारियों के उस श्रेणी में नियमित सेवा पाने वाले एस० एस० लेखाकार की पदविका के अधिकारी (प्रति- नियुक्ति की प्रवधि साधारण- तथा तीन वर्ष से अधिक नहीं होंगी)	अनुसूच "ग" वि० प्रो० सं० जिसमें निम्नलिखित होंगे: 1. उप सचिव (विकास) 2. अवर सचिव निदेशक 3. डी०पी० और ए० और ए० से प्र० जा०/प्र० ज० जा० का उप सचिव 4. संयुक्त निदेशक मुद्रण निदेशक मध्य	अनुसूच "ग" वि० प्रो० सं० जिसमें निम्नलिखित होंगे: 1. उप सचिव (विकास) 2. अवर सचिव निदेशक 3. डी०पी० और ए० और ए० से प्र० जा०/प्र० ज० जा० का उप सचिव 4. संयुक्त निदेशक मुद्रण निदेशक मध्य	अनुसूच "ग" वि० प्रो० सं० जिसमें निम्नलिखित होंगे: 1. उप सचिव (विकास) 2. अवर सचिव निदेशक 3. डी०पी० और ए० और ए० से प्र० जा०/प्र० ज० जा० का उप सचिव 4. संयुक्त निदेशक मुद्रण निदेशक मध्य

[का० सं० ए-12018/1/80-प्रकाशन-1]

एस०एस० रजि०, अवर सचिव

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 29th July, 1980

G.S.R. 841.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of SAS Accountant in the Ministry of Works and Housing, namely :—

1. Short title and commencement :— (1) These rules may be called the Ministry of Works and Housing (SAS Accountant) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay :—The number of said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc. :—The method of recruitment, age limit, educational qualification and other matters relating to the said post shall be as specified in the columns 5 to 11 of the said Schedule.

4. Disqualification :— No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruit
1	2	3	4	5	6	7
SAS Accountant	4	General Central Service, Group 'C', (Non-Gazetted), (Ministerial).	Rs. 500-20-700-EB-25-900	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruit will apply in the case of promotees	Period of probation	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation / transfer and percentage of the vacancies to be filled by the various methods	Grade from which recruitment by promotion/deputation / transfer / short-term contract / re-employment is to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By deputation or by transfer.	For transfer and deputation : Officer of the rank of SAS Accountant, regular service in the grade from any of the organised Accounts Department namely, Indian Audit & Accounts Department, Indian Defence Account Department, Indian Railways Account Department, Indian Posts & Telegraph, Finance and Accounts Department and Principal Accounts Offices of various Ministries/Departments of the Govt. of India. (The period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'C' DPC comprising of : 1. Deputy Secretary (Admn) —Chairman 2. Addl. Director of Estates — Member 3. Deputy Secretary belonging to SC/ST from the DP & AR —Member 4. Joint Director, Die of Printing —Member	Not applicable

[File No. A-12018.1/80-Adm. I]
S. A. RUSSELL, Under Secy

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(सड़क पक्ष)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

सांकांनि० 842.—केन्द्रीय सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष) के केन्द्रीय इंजीनियरी पूल वर्ग 'क' नियम, 1976 के नियम 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नौवहन और परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष), भारत सरकार की अधिसूचना संख्या सांकांनि० 648, दिनांक 21 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में,—

(1) पैराग्राफ 1 में—

(क) क्रम संख्या 4 के सामने, "कार्यपालक इंजीनियर" से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर नीचे लिखी प्रविष्टियां रखी जाएं, अर्थात्—

"59	10	69"
-----	----	-----

(ख) क्रम संख्या 5 के सामने, "सहायक कार्यपालक इंजीनियर" से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर नीचे लिखी प्रविष्टियां रखी जाएं, अर्थात्—

"29	—	29"
-----	---	-----

(2) पैराग्राफ 3 में, क्रम संख्या 4 के सामने "कार्यपालक इंजीनियर" से सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर नीचे लिखी किसी प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्—

"8 (स्थायी)"

[फा० सं० ए-23 (14)/76]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Road Wing)

New Delhi, the 23rd July, 1980

G.S.R. 842.—In exercise of the powers conferred by rule 5 of the Central Engineering Pool Group 'A' of the Ministry of Shipping and Transport (Road Wing) Rules, 1976, the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing) No G.S.R. 648, dated the 21st April, 1976, namely :—

In the said notification, —

(i) in paragraph 1,—

(a) for the entries against serial No. 4, relating to "Executive Engineer", the following entries shall be substituted, namely :—

"59	10	69"
-----	----	-----

(b) for the entries against serial No. 5, relating to "Assistant Executive Engineer", the following entries shall be substituted, namely :—

"29	—	29"
-----	---	-----

अन्तर्वेशीय जल परिवहन निदेशालय

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

सांकांनि० 844.—राष्ट्रपति स्वधाम के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अन्तर्वेशीय जल परिवहन निदेशालय (सहायक नदी सर्वेक्षण) भर्ती नियम 1968 को अधिपतित करते हुए अन्तर्वेशीय जल परिवहन निदेशालय में सहायक नदी सर्वेक्षक के पद पर भर्ती की प्रवृत्ति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम पदद् द्वारा बनाने हैं, अर्थात्—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ -- (1) इन नियमों का नाम अन्तर्वेशीय जल परिवहन निदेशालय (सहायक नदी सर्वेक्षण) भर्ती नियम 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान -- उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

(ii) In paragraph 3, for the entries against serial No. 4, relating to "Executive Engineer", the following entries shall be substituted, namely :—

"8 (permanent)"

[F. No A-23(14)/76]

सांकांनि० 843.—केन्द्रीय सरकार नौवहन और परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष) के केन्द्रीय इंजीनियरी मेन्स (सड़क) वर्ग 'क' नियम, 1976 के नियम 3 के उपरिपत्र (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नौवहन और परिवहन (सड़क पक्ष), भारत सरकार की अधिसूचना सं० सांकांनि० 647, दिनांक 21 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में,

(1) पैराग्राफ 1 में,

(क) क्रम संख्या 4 के सामने, "कार्यपालक इंजीनियर" से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर नीचे लिखी प्रविष्टियां रखी जाएं, अर्थात्।

"11	8	19"
-----	---	-----

(ख) क्रम संख्या 5 के सामने "सहायक कार्यपालक इंजीनियर" से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर नीचे लिखी प्रविष्टियां रखी जाएं अर्थात् :—

"13	18	31"
-----	----	-----

[फा० सं० ए-23 (14) 76]

शिव कुमार वर्मा, उप सचिव

G.S.R. 843.—In pursuance of the powers conferred by sub-rule (3) of rule 3 of the Central Engineering Service (Roads) Group 'A' of the Ministry of Shipping and Transport (Roads Wings) Rules, 1976, the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing) No. G.S.R. 647, dated the 21st April, 1976 namely :—

In the said notification, —

(i) in paragraph 1, —

(a) for the entries against serial No. 4, relating to "Executive Engineer", the following entries shall be substituted, namely :—

"11	8	19"
-----	---	-----

(b) for the entries against serial No. 5, relating to "Assistant Executive Engineer", the following entries shall be substituted, namely :—

"13	18	31"
-----	----	-----

[F. No. A-23(14)/76]

SHIV KUMAR, Deputy Secy.

3. भर्ती की पद्धति: प्रायु सीमा और अन्य महत्ताएं —उक्त पद पर भर्ती का पद्धति, प्रायु सीमा, महत्ताएं और उसके सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. अनुरोध —वह व्यक्ति :

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी अभी जीवित है, विवाह किया है, या विवाह करने का बचन दिया है,

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया है, या विवाह करने का बचन दिया है, सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य प्रकार को लागू स्वीकृति के अन्तर्गत अनुज्ञेय है, और ऐसा करने के लिए विशेष आग्रह मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. सेवा में काम करने का दायित्व:—इन नियमों के प्रवर्तन की तारीख को या उसके बाद उक्त पद पर नियुक्त इजीनियरी में डिप्ली या इसके समतुल्य योग्यता रखने वाले किसी भी व्यक्ति को, आवश्यकता पड़े पर भारत रक्षा से संबंधित किसी भी रक्षा सेवा या पद पर काम करना होगा जिसकी अवधि प्रशिक्षण सम: संहिता यदि कोई हो तो चार वर्ष से कम नहीं होगी।

परन्तु वह भी कि ऐसा व्यक्ति—

(i) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद उपरोक्त सेवा नहीं करेगा;

(ii) 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद साधारणतया उपरोक्त सेवा नहीं करेगा।

6. आग्रहनाम में सशस्त्र सेना में भर्ती होवे वाले व्यक्तियों के लिए नोकरीयों का आग्रहनाम—

(1) सीधी भर्ती द्वारा भर्ती जाने वाली 50 प्रतिशत स्थायी रिक्तियां उन स्थावकोत्तर इजीनियरों के लिए आरक्षित होंगी जिन्हें, 26 अक्टूबर, 1962 को कृषि विभाग के अनुच्छेद 352 के खंड (1) के अंतर्गत जारी आपातकाल उद्बोधना की अवस्था में अस्थायी आग्रह पर सशस्त्र सेना में भेजा गया था और बाद में सेवा मुक्त कर दिया था।

(2) इन आरक्षित स्थानों पर उन्हीं व्यक्तियों को रखे जाने पर विचार किया जाएगा जो सशस्त्र सेना में न जाते तो इन पदों पर नियुक्ति के पात्र होते और जो इन सेवा को लागू नियमों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

7. शिक्षण करने की शक्ति —जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह इसके लिए जो करण है, उन्हें संबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध की किसी बच्चे या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिक्षण कर सकेगी।

8. व्याप्ति.—इन नियमों की कोई भी बात, इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति व जनजाति और अन्य विशेष वर्ग के व्यक्तियों को दिए जाने वाले आरक्षणों, प्रायुसीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

अनुसूची

नीचलेखन और परिचालन मंत्रालय के अंतर्देशीय जल परिचालन निदेशालय में सहायक नवी सर्वेक्षक के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	कर्म पद है या नव गैर कर्म पद	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए प्रायु सीमा	क्या के.सि.से. (पेंशन, नियम-बली 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत जोड़े गये सेवा-वर्षों का लाभ प्राप्त है)	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से प्रशिक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	6 क	7
सहायक नवी सर्वेक्षक	3	सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी' राजपत्रिक (अनु-सचिवीय)	650-1200 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट दी जा सकती है) डिप्लोमा प्रायु सीमा निर्धारण के लिए तारीख वह होम्मे जो भारत में (अवस्थान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष-द्वीपों की छोड़कर) उम्मीदवारों से आवेदन पत्रों की प्राप्ति की अंतिम तारीख होगी।	नहीं	अनुसूची : (i) शिक्षा: व्याख्या प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इजीनियरी में डिप्ली या इन के समतुल्य। अथवा उपरिक्त की अंतिम परीक्षा पास किए जाने का प्रमाण पत्र अथवा (विशेष-भाषी अज्ञात पर) द्वितीय ग्रेड के रूप में या उपर्युक्त पद पर कार्य करने का नीचलेखन और परिचालन मंत्रालय का सक्षमता प्रमाण पत्र।

1	2	3	4	5	6	6क	7
							अथवा भारतीय नौ सेना का सर्वे रिकार्डर प्रथम श्रेणी जिनकी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता किसी माध्यमता प्राप्त विश्व- विद्यालय से मैट्रिक की हो या इसके समतुल्य हो।
							(ii) भारतीय नौ सेना या व्यापारी बेड़े या जल सर्वेक्षण संगठन में 2 वर्ष का व्यावहा- रिक अनुभव जिसमें जल सर्वेक्षण कार्य का एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव शामिल है।
							टिप्पणी 1 : उम्मीदवार के अन्यथा सुप्रसिद्ध होने पर संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अर्हताओं में छूट दी जा सकती है।
							टिप्पणी 2 : अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनु- सूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में उस दशा में शिथिल की जा सकती है जबकि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अवैध अनुभव रखने वाले इन समुदायों से अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।
क्या सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु तथा योग्यताएं पदोन्नति वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की विधि/मोघी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रति- नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्था- नान्तरण द्वारा भर्ती होनी हो तो वे श्रेष्ठ जिनमें पदोन्नति/प्रति- नियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसकी संर- चना क्या है			परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाना है
8	9	10	11	12	13		
आयु : नहीं शैक्षिक योग्यता जो स्तम्भ 11 में बताई गई है।	2 वर्ष	66 2/3 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा निर्भर न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थाना- ंतरण द्वारा (इसमें अल्प-	पदोन्नति : पर्यवेक्षक/प्रोवर्सीयर जिनकी मिजिल इंजीनियरी में डिप्लो- धारियां या इनके समतुल्य	ग्रुप 'बी' विभागीय पदोन्नति गणिति (सीधी भर्ती) द्वारा रखे अभ्यर्थियों के स्थायी- करण पर विचार करने	प्रतिनियुक्ति/संविदा पर नियुक्ति के लिए किसी अधिकारी का चयन करते		

8	9	10	11	12	13
		कालिक सविदा भी शामिल है)	योग्यता रखने वालों के मामले में संबंधित ग्रेड में 3 वर्ष की नियमित सेवा हो और सिविल इंजीनियरी में डिप्लोमाधारियों या इसके समतुल्य योग्यता रखने वालों के मामले में 7 वर्ष की नियमित ग्रेड सेवा हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसमें अल्पकालिक सविदा शामिल है।	के लिए भी) जिसमें निम्नलिखित अधिकारी हैं : 1. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक (अ०दे०ज०प०) —अध्यक्ष 2. विकास सलाहकार सग-ठन के निदेशक (विकास) —सदस्य 3. अवर सचिव (अ०ज०प०) —सदस्य	समय और इन नियमों के किसी उपबन्ध में छूट देते या संशोधन करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।
		33. 1/3 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा	केन्द्रीय/राज्य सरकारों/पुनर्गठनों/निगमों/स्वायत्त निकायों/सरकारी उपक्रमों के अधिकारी जो समतुल्य पदों पर कार्यरत हो या जिनकी 550-900 द०/425-700 द० के वेतनमान में कमरा: 3/8 वर्ष की सेवा हो और उनकी शैक्षिक योग्यता और अनुभव वही हो जो स्तम्भ 7 में सीधी भर्ती के अभ्यर्थियों के लिए निहित है। (नियुक्ति/अल्पकालिक सविदा की अवधि साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	टिप्पणी: स्थायीकरण के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की कार्यवाही अनुमोदनार्थ आयोग को भेजी जाएगी। परन्तु आयोग इसे अनुमोदित नहीं करता तो विभागीय पदोन्नति समिति की नहीं बैठक बुलाई जाए, जिस में संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य अध्यक्ष होंगे।	

[फा०सं० 10 आई०डब्ल्यू०टी०(11)/78 सी० एण्ड ई०]

Inland Water Transport Directorate

New Delhi, the 23rd July, 1980

G.S.R. 844.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Inland Water Transport Directorate (Assistant River Surveyor) Recruitment Rules, 1968 the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant River Surveyor in the Inland Water Transport Directorate, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) The rules may be called the Inland Water Transport Directorate (Assistant River Surveyor) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualifications.—No person, —

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal

law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any persons from the operation of this rule.

Provided that such person —

- shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Reservation of vacancies for persons who join Armed Force during Emergency.—(1) Fifty per cent of the permanent vacancies which are to be filled by direct recruitment shall be reserved for graduate engineers who were commissioned in the Armed Forces on temporary basis during the period of Emergency issued under clause (1) of article 352 of the Constitution on the 26th October, 1962 and are later released.

(2) Only such of those persons shall, however, be entitled to be considered for that vacancies so reserved as would have been eligible for appointment against these posts if they had not joined the Armed Forces and are physically fit according to the rule applicable to the service.

7. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

8. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxations of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and

other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Assistant River Surveyor in the Inland Water Transport Directorate, Ministry of Shipping and Transport, New Delhi

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6a)	(7)
Assistant River Surveyor	3	General Central Service, Group 'B' Gazetted (Non-Ministerial)	Rs. 650-1200.	N.A.	Not exceeding 35 years (Relaxable for Govt. servants). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No	<p>Essential:</p> <p>(i) Degree in Civil Engg. of a recognised University or equivalent. OR Certificate of having passed the Dufferin final passing out examination. OR Ministry of Transport Certificate of Competency as Second Mate (Foreign going) or higher OR Survey Recorder First Class of the Indian Navy having minimum academic qualifications of Matriculation from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 2 years practical experience either in Indian Navy or Merchant Navy or a Hydrographic Survey Organisation including one years practical experience in hydrographic surveying.</p> <p>Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in a case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion</p>

1	2	3	4	5	6	6a	7
							of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes If, at any stage of selection, the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct rectt. will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)

			Promotion:	Group 'B' DPC	
Age: No EQ: To the extent indicate in Col. 11	2 years	66.2/3% by promotion, failing which by transfer on deputation. (including short-term contract) 33.1/3% by direct recruitment.	Supervisor/Overseer with 3 years regular service in the respective grade in the case of degree holders in Civil Engineering or equivalent qualification and 7 year's regular service in the respective grade in the case for Diploma holders in Civil Engineering or equivalent qualification. Transfer on deputation (including short-term contract): Officers under the Central/ State Govts./Port Organisations/Corporations/Autonomous bodies/Public Sector Undertakings holding analogous posts or with 3/8 years service in post in the scale of Rs. 550-900/Rs. 425-700 or equivalent respectively and possessing the addl. qualifications and experience of the type prescribed for direct recruits under Col. 7. (Period of deputation/short-term contract shall ordinarily not exceed 3 years).	(also for considering confirmation of direct recruits) consisting of: 1. C.E.A. (IWT)—Chairman 2. Director (Dev.)—Member of DA'S Org. 3. US (IWT) —Member Note: The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval if however they are not approved by the Commission, a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC shall be held.	Consultation with the UPSC necessary while selection an officer for appointment on deputation/contract and amending/relaxing any of the provisions of these rule 3.

सांकां० 845—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अन्तर्देशीय जल परिवहन निदेशालय (श्रेणी III अराजपत्रित लिपिक वर्गीय कर्मचारी) भर्ती नियम, 1969 में कुछ संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम अन्तर्देशीय जल परिवहन निदेशालय (श्रेणी III अराजपत्रित और लिपिक वर्गीय कर्मचारी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अन्तर्देशीय जल परिवहन निदेशालय (श्रेणी III अराजपत्रित) और लिपिक वर्गीय भर्ती 1969 में

(क) नियम 1 के उपनियम (1) में, श्रेणी III के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाए अर्थात्—

“बर्ग”।

(ख) अनुसूची में क्रम संख्या 3 के सामने, कालम 3, 4, 8, 10 11 और 12 में दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर नीचे लिखी प्रविष्टियाँ क्रमशः रखी जाएँ; अर्थात्

3

“मानव्य केन्द्रीय सेवा, वर्ग ‘ग’ अराजपत्रित लिपिक वर्गीय”

4

“र० 425-15-500 द०र० 15-560-20-700-द०र० 25-800”

8

“आयु—नहीं। प्रहर्ताएं—जी, हाँ।”

10

“50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा और 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा”

11

“जूनियर स्टेनोग्राफरों में से जिन्होंने उक्त ग्रेड में कम से कम 5 साल नियमित सेवा कर ली हो, प्रोन्नति द्वारा और इस प्रकार से उपयुक्त व्यक्ति न मिलने पर सीधी भर्ती द्वारा”

12

“वर्ग ‘ग’ के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति के अध्यक्ष मुख्य इंजीनियर एच प्रमाणक होंगे और संयुक्त निदेशक तथा अग्रर सचिव (स्थापना) इनके सदस्य होंगे।”

[स० 8 आर्डी०एच०यू०टी०(8)/79 सी०एच०ई०]

राम कृष्ण भुव्चर, अवर सचिव

G.S.R. 845.—In exercise of the powers conferred by the proviso of article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Inland Water Transport Directorate (Class-III Non-Gazetted Ministerial Staff) Recruitment Rules, 1969, namely:—

1. (1) These rules may be called the Inland Water Transport Directorate (Class-III Non-Gazetted and Ministerial Staff) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Inland Water Transport Directorate (Class-III Non-Gazetted and Ministerial Staff) Recruitment Rules, 1969:—

(a) in rule 1, in sub-rule (1), for “Class III” the following shall be substituted, namely:—

“Group ‘C’ ”;

(b) in the Schedule, against serial numbers 3 for the entries under columns 3, 4, 8, 10, 11 and 12, the

following entries shall respectively be substituted namely:—

3

“General Central Service Group ‘C’ non-Gazetted Ministerial”.

4

“Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800”.

8

“Age.—No Qualification.—Yes”.

10

“50% by promotion and 50 per cent direct recruitment”.

11

“By promotion from Stenographer (Junior) with at least 5 years service in the grade, failing which by direct recruitment.

12

“Group ‘C’ DPC comprising of Chief Engineer-cum-Administrator as Chairman, Joint Director and US (E) was a member.”

[No. 8-IWT(8)/79-C&E]

RAM KRISHAN BHUCHAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1980

सांकां० 846.—राष्ट्रपति, संविधान की धारा 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नौवहन और परिवहन मंत्रालय, परिवहन अनुसंधान प्रभाग (परिवहन पक्ष), (ग्रुप ‘ख’ और ग्रुप ‘ग’ के पद), भर्ती नियम, 1976 में पुनः संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (i) ये नियम नौवहन और परिवहन मंत्रालय, परिवहन अनुसंधान प्रभाग (परिवहन पक्ष) (ग्रुप ‘ख’ और ग्रुप ‘ग’ के पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 कहे जायेंगे।

(ii) ये नियम राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त हो जायेंगे।

2. नौवहन और परिवहन मंत्रालय, परिवहन अनुसंधान प्रभाग (परिवहन पक्ष) (ग्रुप ‘ख’ और ग्रुप ‘ग’ के पद) भर्ती नियम, 1976 के अनुसंधान में—

(1) कालम (6) कनिष्ठ अन्वेषक के पदों में संबंधित मद संख्या 3 में मौजूदा प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी, अर्थात्:—

“केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अनुदेशों या आदेशों के अनुसार 20 से लेकर 26 वर्ष

(सरकारी सेवकों को 35 वर्ष तक की छूट)”

(ii) कालम (6) में सगणक के पदों में संबंधित मद संख्या 4 में मौजूदा प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी, अर्थात्:—

“केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अनुदेशों या आदेशों के अनुसार 19 से लेकर 26 वर्ष (सरकारी सेवकों को 35 वर्ष तक की छूट)”

[स० ई०एस०टी०/ई०एस०एम०(29)/77]

सुब्रह्मण्य बसुदेव, उप सचिव

New Delhi, the 25th July, 1980

G.S.R. 846.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Shipping and Transport, Transport Research Division (Transport Wing), (Group B and Group C Posts) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Shipping and Transport, Transport Research Division (Transport Wing) (Group B and Group C Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Schedule to the Ministry of Shipping and Transport, Transport Research Division (Transport Wing) (Group B and Group C Posts) Recruitment Rules, 1976,—
 - (i) against item 3 relating to the posts of Junior Investigator, for the entry in columns (6), the following entry shall be substituted, namely :—

"20 to 26 years
(Relaxable for Government servants upto 35 years) in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government".
 - (ii) against item 4 relating to the posts of Computer for the entry in columns (6), the following entry shall be substituted, namely :—

"19 to 26 years (relaxable for Government servants upto 35 years) in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government."

[No. EST/ENS(29)/77]
S. VASUDEVA, Dy. Secy.

(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1980

सांकांनिं 847.—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन व्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (6) के साथ पठित, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के नौबहन और परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की सामग्रीपत्तन संबंधी अधिसूचना सं० सांकांनिं 165 (ई), दिनांक 31-3-80 में पुनः सशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के नीचे मारणी में :—

- (क) क्रम संख्या 8 के सामने की प्रविष्टि में, शब्द 'क्षेत्रीय प्रबन्धक' के स्थान पर शब्द 'प्रभागीय प्रबन्धक' रखे जाएं, और

- (ख) क्रम संख्या 9 के सामने की प्रविष्टि में शब्द 'उत्तरी क्षेत्र' के स्थान पर शब्द 'पश्चिमी क्षेत्र' रखे जाएं।

[कां० सं० पी० डब्ल्यू/पी टी बी -10/79]

एस०पी० जैन, उप सचिव

(Ports Wing)

New Delhi, the 28th July, 1980

G.S.R. 847.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), read with sub-section (6) of the said section, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 165(E), dated the 31st March, 1980, relating to Port of Mormugao, namely :—

In the Table below the said notification, —

- (a) in the entry against serial number 8, for the words "Regional Manager", the words "Divisional Manager" shall be substituted ; and
- (b) in the entry against serial number 9, for the words "Northern Region", the words "Western Region" shall be substituted.

[F. No. PW/PTB-10/79]

S. P. JAIN, Dy. Secy.

श्रम मंत्रालय

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1980

सांकांनिं 848.—भारत सरकार के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 13 जनवरी, 1979 में प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सांकांनिं सं० 66, तारीख 26 दिसम्बर, 1978 में पंक्ति 3 में "1978" शब्दों के स्थान पर "1979" शब्द पढ़ें।

[सं० ए-12018/3/78-एल०बी०]

भार०एस० देशपांडे, उप सचिव

MINISTRY OF LABOUR

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th July, 1980

G.S.R. 848.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. G.S.R. 66 dated the 26th December, 1978, published in Part II Section 3 Sub-section (i) of the Gazette of India, dated the 13th January, 1979, in line 8 for the figure "1978" read "1979".

[No. A-12018(3)/78-L.B.]

R. S. DESHPANDE, Deputy Secy.

रोजगार और प्रशिक्षण महानिर्देशालय

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1980

सां० कां० निं 849.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक का प्रयोग करते हुए, प्रशिक्षण निदेशालय (समूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1974 में और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम प्रशिक्षण निदेशालय (समूह ग पद) भर्ती (-----सशोधन) नियम, 1980 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 प्रशिक्षण निदेशालय (समूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में, क्रम संख्यांक 1 के सामने प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

अनुसूची						
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रथम पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति-यों के लिए आयु और अन्य अर्हताएं सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति-यों के लिए अपेक्षित शैक्षिक योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. "(क) सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (साधारण व्यवसाय)	यूनिटों पदों की संख्या 1 मुम्बई-44	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" (अराजक अलिपिक-वर्गीय)	650-30-740-35-800-40-40-960 60	चयन	21-35 वर्ष के बीच	कारबार सेवाएं सचिवालय पद-नियां, वस्त्र बुनाई और केश और त्वचा की देख रेख सहायक प्रशिक्षण अधिकारियों को छोड़कर।
सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (रेखाचित्र)	2 हवड़ा-52					सहायक प्रशिक्षण अधिकारी आवश्यक:
सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (रंग और रेखाचित्र)	3 कानपुर-38					(क) शैक्षिक: गणित और विज्ञान विषयों सहित मैट्रिकुलेशन या समतुल्य
सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (रंग और रेखाचित्र)	4 मद्रास-37					टिप्पण: कटाई और सिलाई, कढ़ाई और सुई कार्य आदि के इंजीनियरी हस्तकर्मियों के लिए सहायक प्रशिक्षण अधिकारियों के पद को भरने के प्रयोजन के लिए गणित या विज्ञान या दोनों के बिना मैट्रिकुलेशन की अर्हता धारण करने वाले व्यक्तियों, जो नियुक्ति के लिए अन्यथा सुअर्हित हैं, पर भी विचार किया जा सकेगा।
सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (सामान्य व्यवसाय) / समूह अनुदेशक/ज्येष्ठ तकनीकी सहायक/अभ्युक्तक मिला-इट या मैकेनिक/भंडार अधिकारी।	5 हैदराबाद-23					(ख) तकनीकी: समुचित व्यवसाय में राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाणपत्र
(ख) सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (कारबार सेवा)	6 लुधियाना-16					या
(ग) सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (सचिवालय पदतियां)	7 बंगलौर-5					समुचित व्यवसाय में राष्ट्रीय शिक्षा प्रमाणपत्र
(घ) सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (केश और त्वचा की देखरेख)	8 नई दिल्ली-10					या
(ङ) सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (बस्त्र बुनाई)	9 डी० जी० ई० एंड टी० मुख्यालय-11					किमी औद्योगिक समुदाय में कम से कम 3 वर्ष की अवधि के लिए समुचित व्यवसाय में शिक्षा
						या
						रक्षा सेवाओं से ऐसे व्यक्ति जिन्होंने समुचित व्यवसाय में कम से कम 3 वर्ष सेवा कर ली है
						या
						फिटर या खरादी या मशीन मिस्त्री के व्यवसाय में राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाणपत्र या समतुल्य और किसी नियमित प्रशिक्षण स्थापन में संस्थागत प्रशिक्षण प्राप्त

1	2	3	4	5	6	7
						<p>किया हो तथा नियमित औद्योगिक संस्थापन के अनुरक्षण (मिलराइट) विभाग में पाय हो म्याउन से संबंधित किटिंग और मशीन संबंधी कार्य, मशीन औजारों और अन्य उपकरणों की मरम्मत और अनुरक्षण का 4 वर्ष का अनुभव।</p>
						<p>या</p> <p>मिलराइट या मैकेनिक अनुरक्षण या फिटर या खरादी या मशीन मिस्त्री में राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाणपत्र या किसी क्वालिफाइड औद्योगिक स्थापन में फिटर या खरादी या मशीन मिस्त्री या मिलराइट या अनुरक्षण मैकेनिक व्यवसाय में कम से कम 3 वर्ष की शिक्षा और साथ ही किसी नियमित औद्योगिक स्थापन में संस्थापन से संबंधित किटिंग या मशीन संबंधी कार्य, मशीन के औजारों और अन्य उपकरणों की मरम्मत और अनुरक्षण का 3 वर्ष का अनुभव।</p>
						<p>या</p> <p>किसी मान्यताप्राप्त या नियमित संस्थापन से वाणिज्यिक कला में राष्ट्रीय डिप्लोमा और किसी नियमित फर्म में बस्त्रों, पोषाकों आदि के डिजाइन निकालने का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव।</p>
						<p>या</p> <p>इंजीनियरी या औद्योगिकी या समुचित व्यवसाय की समुचित शाखा में डिप्लोमा।</p>
						<p>या</p> <p>रसायन शास्त्र या भौतिकी शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि—</p> <p>तकनीकी अनुभव : पांच वर्ष से अधिक नहीं, जिसके अंतर्गत (ख) में यथावशित प्रशिक्षण अवधि भी है और रसायन-शास्त्र या भौतिक शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधिधारण करने वालों के लिए, तीन वर्ष।</p>

1	2	3	4	5	6	7
						<p>वांछनीय :</p> <p>(क) केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान से समुचित व्यवसाय में अनु-देशक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र ।</p> <p>(ख) प्रशिक्षण आयोजित करने और अनुशासन बनाए रखने की योग्यता ।</p> <p>प्रत्येक पद की अपेक्षाओं के अनुसार अर्हता</p> <p>(ख) सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (कारबार सेवाएं) :</p> <p>आवश्यक :</p> <p>(क) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से वाणिज्य या अर्थशास्त्र या कला या विज्ञान में उपाधि ;</p> <p>(ख) किसी मान्यताप्राप्त/ नियमित संस्था से कारबार प्रबंध/ कारबार प्रशासन/ शैक्षणिक प्रबंध में डिप्लोमा या</p> <p>कारबार प्रशासन या कारबार प्रबंध में उपाधि</p> <p>वांछनीय :</p> <p>(क) पाठ्य विवरण, शिक्षण सहाय्य और प्रशिक्षण सामग्रों, आवि तैयार करने का अनुभव ।</p> <p>(ख) ऊपर 1 (क) और (ख) में वृत्तिक अर्हता प्राप्त करने के पश्चात् क्षेत्रीय कारबार सेवाओं में एक वर्ष का अनुभव ।</p> <p>(ग) सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (सचिवालय पद्धति) :</p> <p>आवश्यक :</p> <p>1. (क) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से वाणिज्य, या अर्थशास्त्र या कला या विज्ञान में उपाधि या समतुल्य ;</p> <p>(ख) किसी मान्यताप्राप्त/ नियमित संस्था से सचिवालय पद्धति या आधुनिक में डिप्लोमा या प्रमाणपत्र ;</p> <p>वांछनीय :</p> <p>(क) पाठ्य विवरण, शिक्षण सहाय्य और प्रशिक्षण सामग्रों, आवि तैयार करने का अनुभव ।</p> <p>(ख) ऊपर 1 (क) और (ख) में वृत्तिक अर्हता प्राप्त करने के पश्चात् सचिवालय पद्धति/आधुनिक के क्षेत्र में एक वर्ष का अनुभव ।</p>

1	2	3	4	5	6	7
						(घ) सहायक शिक्षण अधिकारी (केश और खना की देख- रेख) आवश्यक 1 (क) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय से कला या विज्ञान में उपाधि या सम- तुल्य । (ख) किसी मान्यताप्राप्त या निय- मित संस्था से सौवर्य शिक्षा या सौवर्य प्रसाधन विज्ञान में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र । राष्ट्रीय (क) ऊपर 1 (क) और (ख) में वृत्तिक ग्रहता प्राप्त करने के पश्चात् सौवर्य शिक्षा के क्षेत्र में एक वर्ष का अनुभव । (ख) पाठ्य विवरण, शिक्षण साहा- य्य और प्रशिक्षण सामग्री, आदि तैयार करने का अनुभव । (ङ) सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (वस्त्र बुनाई) आवश्यक 1 (क) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय से कला या विज्ञान या वाणिज्य में उपाधि या समतुल्य । (ख) किसी मान्यताप्राप्त या निय- मित संस्था से वस्त्र बुनाई और हौजरी में डिप्लोमा/ प्रमाणपत्र । राष्ट्रीय (क) ऊपर 1 (क) और (ख) में वृत्तिक ग्रहता प्राप्त करने के पश्चात् वस्त्र बुनाई और हौजरी के क्षेत्र में एक वर्ष का अनुभव । (ख) पाठ्य विवरण, शिक्षण साहा- य्य और प्रशिक्षण सामग्री, आदि तैयार करने का अनुभव । प्रत्येक पद की अपेक्षाओं के अनुसार भर्ती ।
सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की वाले व्यक्तियों के लिए अवधि यदि कोई विहित आयु और ही पैक्षिक ग्रहताएँ प्रोन्नति की वशा से लाभ होगी या नहीं		भर्ती की पद्धति और विभाग द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति पर स्था- नांतरण की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना		जिन परिस्थितियों में सघ लोक सेवा आयोग में परामर्श निया जाएगा
8	9	10	11	12	13	
आयु नहीं शिक्षा नहीं	दो वर्ष	75% यूनिट आधार पर प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानांतरण या प्रति-	(1) प्रोन्नति (1) व्यवसाय के ऐसे व्याव- सायिक अनुवैशक या	वर्ग 'ग' पदों के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति की संरचना कलकत्ता अध्यक्ष यूनिट	संलग्न नहीं होता"	

नियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।
25% सीधी भर्ती द्वारा।

कनिष्ठ तकनीकी सहायक या अनुरक्षण बिजली मिस्त्री या भंडारी (तकनीकी) जिन्होंने उस यूनिट में इन से से किसी श्रेणी में/पद पर 5 वर्ष नियमित सेवा कर ली है या

(ii) ऐसे व्यावसायिक अनुदेशक (रेखा-चित्र/फिटर साधारण/मशीन मिस्त्री साधारण/अंकगणित/दृश्य माहायुय/मोटर चालन/महबब व्यवसाय) जिसने उस यूनिट में इन से से किसी श्रेणी में/पद पर 5 वर्ष नियमित सेवा कर ली है।

(iii) ऐसे कनिष्ठ अनुरक्षण मैकेनिक/ज्येष्ठ मक्का नवीम (वेतनमान 425-700 रु० कुशल कर्मकार (425-640)/फोटोग्राफर और डेवेलपर, जिसने उस यूनिट में इन से से किसी श्रेणी में/पद पर 5 वर्ष नियमित सेवा कर ली है।

टिप्पण: ऊपर मद (i) और (iii) में उल्लिखित पदधारियों पर प्रोन्नति के लिए, ऐसे व्यावसायिक अनुदेशकों के बारे में, जो 26-5-70 को ज्येष्ठ, अनुदेशक का पद धारण कर रहे थे, विचार कर लिए जाने के पश्चात ही विचार किया जाएगा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों,

संघ राज्य क्षेत्रों, लोक सैक-

टर उपक्रमों, विभवविद्यालयों

और अन्य स्वशासी निकायों

के संस्थानों/कार्यालयों में

सदस्य/समस्त पद धारण कर

रहे या अनुदेशक/व्याव-

सायिक अनुदेशक के पद धा-

रण कर रहे उपयुक्त, तक-

नीकी रूप से अर्हित कामिक।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)

केन्द्रीय स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान या प्रादेशिक शिक्षता शिक्षण निदेशक।
टिप्पण: इन दोनों में जो ज्येष्ठ होगा वह अध्यक्ष और दूसरा सदस्य होगा।

सदस्य प्राचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, कलकत्ता

अध्यक्ष प्रादेशिक शिक्षता प्रशिक्षण निदेशक, मुम्बई।

सदस्य प्राचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान मुम्बई।

प्रादेशिक शिक्षता प्रशिक्षण निदेशक, कानपुर।

सदस्य प्राचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, कानपुर

निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान मद्रास या प्रादेशिक शिक्षता प्रशिक्षण निदेशक, मद्रास।

टिप्पण: इन दोनों में जो ज्येष्ठ होगा वह अध्यक्ष और दूसरा सदस्य होगा।

सदस्य प्राचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास

निवेशक, दृष्टिकानिक और प्रक्रिया यंत्रीकरण उच्च प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद।

सदस्य प्राचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद।

प्राचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, लुधियाना।

सदस्य उप प्राचार्य, केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान, लुधियाना।

निवेशक फोरमैन प्रशिक्षण संस्थान बंगलौर।

सदस्य ज्येष्ठतम संयुक्त निदेशक, फोरमैन प्रशिक्षण संस्थान, बंगलौर।

संयुक्त निदेशक, प्रशिक्षण बी० जी० ई० और टी०, नई दिल्ली।

प्राचार्य, एन० बी० टी० आई०, नई दिल्ली।

निवेशक, रोजगार कार्यालय, बी० जी० ई० और टी०, नई दिल्ली।

संयुक्त निवेशक, प्रशिक्षण, बी० जी० ई० और टी०, नई दिल्ली, भारत सरकार, बी० जी० ई० और टी०, नई दिल्ली।

New Delhi, the 19th July, 1980

G.S.R. 849.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following further to amend the Directorate of Training (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1974, namely :—

2. (1) These rules may be called the Directorate of Training (Group 'C' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Training (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1974, against serial number 1, for the entries, the following entries, shall be substituted, namely :—

Designation of post	Number of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection or non-Selection post	Age limit for direct recruitment	Educational and other qualifications required
1	2	3	4	5	6	7
(a) Assistant Training Officer (General Trade)	Unit	No. of Posts	General Central Services	Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960	Selection	Between 21-35 years
Assistant Training Officer (Drawing)	1. Bombay	44	Group 'C'			
Assistant Training Officer (Colour and Design)	2. Howrah	52	(Non-gazetted,			
Surveyer (General Trades)	3. Kanpur	38	Non-Ministerial)			
Group Instructor/Senior Technical Assistant/Maintenance Millwright or Mechanic/Stores Officer.	4. Madras	37				
(b) Assistant Training Officer (Business Services)	5. Hyderabad	23				
(c) Assistant Training Officer (Secretarial Practice)	6. Ludhiana	16				
(d) Assistant Training Officer (Hair and Skin care)	7. Bangalore	5				
(e) Assistant Training Officer (Garment Knitting)	8. New Delhi	10				
	9. DGE&T-Hqrs.	11				

(a) Assistant Training Officer: Excepting Assistant Training Officer-Business Services, Secretariat Practice, Garment Knitting and Hair and Skin Care.

Essential:

(a) Academic: Matriculation or equivalent with Mathematics and Science.

Note: For the purpose of filling of the posts of Assistant Training Officer's for Non-Engineering Trades of Cutting and Tailoring, Embroidery and Needle work etc. persons holding qualification of Matriculation without Mathematics or Science or both, but otherwise well qualified for appointment may also be considered.

(b) Technical : National Trade Certificate in the appropriate trade.

OR

National Apprenticeship Certificate in the appropriate trade.

OR

Apprenticeship in the appropriate trade in an industrial concern for a period not less than 3 years.

OR

Persons from Defence Services having not less than 3 years service in the appropriate trade.

OR

National Trade Certificate or equivalent and undergone institutional training in a regular training establishment in the trade of Fitter or Turner or Machinist, followed by 4 years experience in the Maintenance (Millwright) department of regular industrial establishment in fitting or machining work, related to installation, repair and maintenance of machine tools and other equipment.

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

OR

National Apprenticeship Certificate in Millwright or Mechanic Maintenance or Fitter or Turner or Machinist or apprenticeship in a reputed industrial establishment for a minimum period of 3 years in the trade of Fitter or Turner or Machinist or Millwright or Maintenance Mechanic, followed by 3 years experience in a regular industrial establishment in Fitting or machining work related to installation, repair and maintenance of machine tools and other equipment.

OR

National Diploma in Commercial Arts from a recognised or regular Institute with not less than 3 years experience in designing fabrics, dress etc. in a regular firm.

OR

Diploma in appropriate branch of engineering or technology or in appropriate trade.

OR

Post Graduate Degree in Chemistry or Physics.

Practical Experience:

Not less than five years, including training period as shown in (b) above and three years for those holding Post Graduate Degree in Chemistry or Physics.

Desirable:

(a) Instructors Training Certificate in the appropriate trade from the Central Training Institute.

(b) Ability to organise training and maintain discipline.

Note: Recruitment according to Requirements of each post.

(b) Assistant Training Officer:

(Business Services)

(i) Essential:

(a) A Degree in Commerce or Economics or Arts or Science of a recognised University or equivalent.

(b) A Diploma of a recognised or regular Institution in Business Management or Business Administration or Industrial Management.

OR

A Degree in Business Administration or Business Management.

(ii) Desirable:

(a) Experience in the preparation of Syllabi, Teaching Aids and Training Material, etc.

1	2	3	4	5	6	7
						(b) One Year experience in the field of Business Services subsequent to obtaining professional qualifications at i(a) and i(b) above. (c) Assistant Training Officer (Secretarial Practice) (i) Essential: (a) A Degree in Commerce or Economics or Arts or Science of a recognised University or equivalent. (b) A Diploma or Certificate of a recognised or regular Institution in Secretarial Practice or Stenography. (ii) Desirable: (a) Experience in the preparation of Syllabi, Teaching Aids and Training Material, etc. (b) One Year experience in the field of Secretarial Practice or Stenography subsequent to obtaining professional qualifications at i(a) and i(b) above. (d) Assistant Training Officer (Hair and Skin Care) (i) Essential: (a) A Degree in art or Science of a recognised University or equivalent. (b) A Diploma or Certificate of a recognised or regular Institution in Beauty Culture or Cosmetology. (ii) Desirable: (a) One year experience in the field of Beauty Culture subsequent to obtaining Professional qualifications at i(a) and i(b) above. (b) Experience in the preparation of Syllabi, Teaching Aids and Training Material, etc. (e) Assistant Training Officer (Garment Knitting) (i) Essential: (a) A Degree in Art or Science or Commerce of a recognised University or equivalent. (b) A Diploma or Certificate of a recognised or regular Institution in Garment-Knitting and Hosiery. (ii) Desirable: (a) One year experience in the field of Garment Knitting and Hosiery subsequent to obtaining professional qualifications at i(a) and i(b) above. (b) Experience in the preparation of Syllabi, Teaching Aids and Training Material, etc. Note: Recruitment According to Requirements of each of these posts.

Whether age and Educational Qualifications Prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotion or transfer	Period of Probation	Method of recruitment and Percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or transfer on deputation grades from which promotion or transfer or deputation to be made	If Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted
8	9	10	11	12	13
No	Two Years	75% by promotion on Unit basis failing which by transfer or transfer on deputation failing both by direct recruitment. 25% by direct recruitment.	<p>Promotion:</p> <p>(i) Vocational Instructors or Junior Technical Assistant or Maintenance Electrician or Store Keeper (Technical) of the trade with 5 years regular service in any of these grades/posts in the Unit. OR</p> <p>(ii) Vocational Instructors (Drawing/Fitter General/Machinist General/Arithmetic/Visual Aid/Motor Driving/Allied Trade) with 5 years service in any of these grades/posts in the Unit. OR</p> <p>(iii) Junior Maintenance Mechanic/Senior Draughtsman (Scale 425-700)/Skilled Worker (Scale 425-640)/Photographer-cum-Developer with 5 years regular service in the grades/posts in the Unit.</p> <p>Note: The incumbents of the posts mentioned in Item (ii) and (iii) above will be considered for promotion, only after the Vocational Instructors who were holding the posts of Senior Instructors on 26-5-70 have been considered.</p> <p>Transfer on Deputation: Suitable technically qualified personnel holding analogous/equivalent post or holding the post of Instructor/Vocational Instructor from Institute/Office of the Central Governments, State Governments, Union Territories, Public Sector Undertakings, Universities and other Autonomous Bodies (Period of Deputation ordinarily not exceeding three years).</p>	<p>Composition of DPC for Group 'C' Posts: Calcutta Unit: Chairman:—Director, Central Staff Training and Research Institute OR Regional Director of Apprenticeship Training, Calcutta.</p> <p>Note:—The Senior of these two Officers will be the Chairman and the other will be a Member.</p> <p>Member:—Principal, Central Training Institute for Instructors, Calcutta.</p> <p>Bombay Unit: Chairman:—Regional Director of Apprenticeship Training, Bombay.</p> <p>Member:—Principal, Central Training Institute for Instructors, Bombay.</p> <p>Kanpur Unit: Chairman:—Regional Director of Apprenticeship Training, Kanpur.</p> <p>Member:—Principal, Central Training Institute for Instructors, Kanpur.</p> <p>Madras Unit: Chairman:—Director, Advanced Training Institute, Madras OR Regional Director of Apprenticeship Training, Madras.</p> <p>Note:—The Senior of these two Officers will be the Chairman and the other will be a Member.</p> <p>Member:—Principal, Central Training Institute for Instructors, Madras.</p> <p>Hyderabad Unit: Chairman:—Director, Advanced Training</p>	"Not applicable"

8	9	10	11	12	13
					Institute for Electronics and Process Instrumentation, Hyderabad.
					Member:—Principal, Central Training Institute for Instructors, Hyderabad.
					Ludhiana Unit:
					Chairman:—Principal, Central Training Institute for Instructors, Ludhiana.
					Member:—Vice-Principal, Central Training Institute for Instructors, Ludhiana.
					Bangalore Unit:
					Chairman:—Director, Foreman Training Institute, Bangalore.
					Member:—Senior most Joint Director, Foreman Training Institute, Bangalore.
					New Delhi:—Joint Director of Training, D.G. E.&T., New Delhi.
					Member:—Principal, National Vocational Training Institute, New Delhi.
					D. G.E.&T. Headquarters:
					Chairman:—Director of Employment Exchanges, Directorate General of Employment & Training, New Delhi.
					Members—(1) Joint Director of Training, D.G.E.&T., New Delhi.
					(2) Under Secretary to the Govt. of India (DGE&T), New Delhi.

[No. DGET-12(18)/79-TA-II]

H. S. RAJU, Under Secy.

खान सुरक्षा महानिदेशालय

बनारस, 28 जुलाई, 1980

सा०का०नि० 850--मुख्य खान निरीक्षक, कोयला खान विनियम 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा विनिर्मित उक्त सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक को प्रथम और द्वितीय स्तर वाले गैसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में विनिर्दिष्ट करता है और उक्त अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में क्या विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण भी अधिकृत करता है।

सारणी		
विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम प्रभार किसी एक गुल्लि का सुराख में
(1)	(2)	(3)
बूमिप्रफ (मिश्रण जी०ई० '55')	इण्डियन एक्सप्लोसिव्स लि०, पी०बो० नं० 9084, 34, चौखंडी, कलकत्ता-700071 (फर्म के गोमिया स्थित कारखाना में विनिर्मित)	1000 ग्राम

[संख्या : 14 (34)/74/सामान्य/16310]

DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad, the 24th July, 1980

G.S.R. 850.—In pursuance of Clause (23) of Regulation 2 and Clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Chief Inspector of Mines hereby notifies the explosive specified in Column (1) of the Table below manufactured by the Firm specified in Column (2) of the said Table to be permitted explosive suitable for use in gassy coal mines/seams of First and Second degree and further lays down the permissible maximum charge as specified in Column (3) of the said Table for the said permitted explosive.

TABLE

Name of explosive	Name of Firm	Permissible maximum charge in any shothole
1	2	3
UNIPRUF-G (Composition GE-55)	The Indian Explosives Ltd., Post Box No. 9084, 34 Chowringhee, Calcutta-700 071. (Place of manufacture—Gomia Factory).	1000 gms.

[No. 14(34)/74-Genl./10310]

सांकांनि० 851—मुख्य खान निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तिशाली का प्रयोग करने ए निम्न सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा विनिर्मित, उक्त सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक को सभी स्तर वाले गैसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में विनिर्दिष्ट करता है, और उक्त अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण भी अधिकृत करता है।

सारणी

विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम प्रभार किसी एक गुलिका मुराब में
1	2	3
यूनिसेक्स-जी (मिश्रण जी०ई० '64')	इण्डियन एक्सप्लोसिव्स लि०, पो०बा० नं० 9084, 34, चौरंगी, कलकत्ता-700071 (फर्म के गोमिया स्थित कार-खाना में विनिर्मित)	1000 ग्राम

[संख्या 14(9)76-सामान्य/10311]

बी०एम० भट्ट, मुख्य खान निरीक्षक

G.S.R. 851.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and Clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957 the Chief Inspector of Mines hereby notifies the explosive specified in column (1) of the Table below manufactured by the Firm specified in column (2) of the said Table to be permitted explosive suitable for use in all degrees of gassy coal mines/seams and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said permitted explosive.

495 G 1/80-6

TABLE

Name of explosive	Name of Firm	Permissible maximum charge in any shothole
1	2	3
UNISAX-G (Composition GE-64)	The Indian Explosives Ltd., Post Box No. 9084, 34, Chowringhee, Calcutta-700071. (manufactured at the Firm's, Factory at Gomia).	1000 gms.

[No. 14(9)/76/Genl/10311]

B. M. BHAT, Chief Inspector of Mines

बिस्म संज्ञासय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 जुलाई 1980

सांकांनि० 852—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और भूमि सीमा-शुल्क समूह 'ग' पद भर्ती नियम, 1979 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और भूमि सीमा-शुल्क विभाग समूह 'ग' पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और भूमि सीमा-शुल्क विभाग समूह 'ग' पद भर्ती नियम, 1979 की अनुसूची में "उप कार्यालय अधीक्षक परीक्षा स्तर I" के पद से सम्बन्धित क्रम सं० 4 के मामले संतुल्य 12 में मद (ii) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(ii) प्राशुलिपिक (ज्येष्ठ श्रेणी) जिसने उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की है और जो तकनीकी विषयों में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, जिसके न हो सकने पर प्राशुलिपिक (ज्येष्ठ श्रेणी) जिनमें प्राशुलिपिक (ज्येष्ठ श्रेणी) और (साधारण श्रेणी) दोनों में कुल मिलाकर 8 वर्ष सेवा की है जिसमें से कम से कम 2 वर्ष की सेवा प्राशुलिपिक (ज्येष्ठ श्रेणी) के रूप में है और जो तकनीकी विषयों में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं।”

[सां सं ए० 12018/9/80 ए० डा० III-बी०]

आर० सी० मिश्रा, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 28th July, 1980

G.S.R. 852.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Central Ex-

cise Land Customs Department Group 'C' posts Recruitment Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise and Land Customs Department Group 'C' posts Recruitment (Amendment) Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Schedule to the Central Excise and Land Customs Department Group 'C' posts Recruitment Rules, 1979, against serial No. 4 relating to the post of "Deputy Office Superinten-

dent, Level I" in column 12, for item (ii), the following item shall be substituted, namely :—

- “(ii) Stenographer (Senior Grade) with 5 years service in the grade who pass Departmental Examination in Technical subjects failing which stenographer (Senior Grade) with 8 years total service as Stenographer (Senior Grade) and (Ordinary Grade) taken together with at least 2 years service as Stenographer (Senior Grade) who pass departmental examination in technical subjects.”

[F. No. A-12018/9/80-Ad. IIIB]
R. C. MISRA, Addl. Secy.